VI Class Hindi Second Language

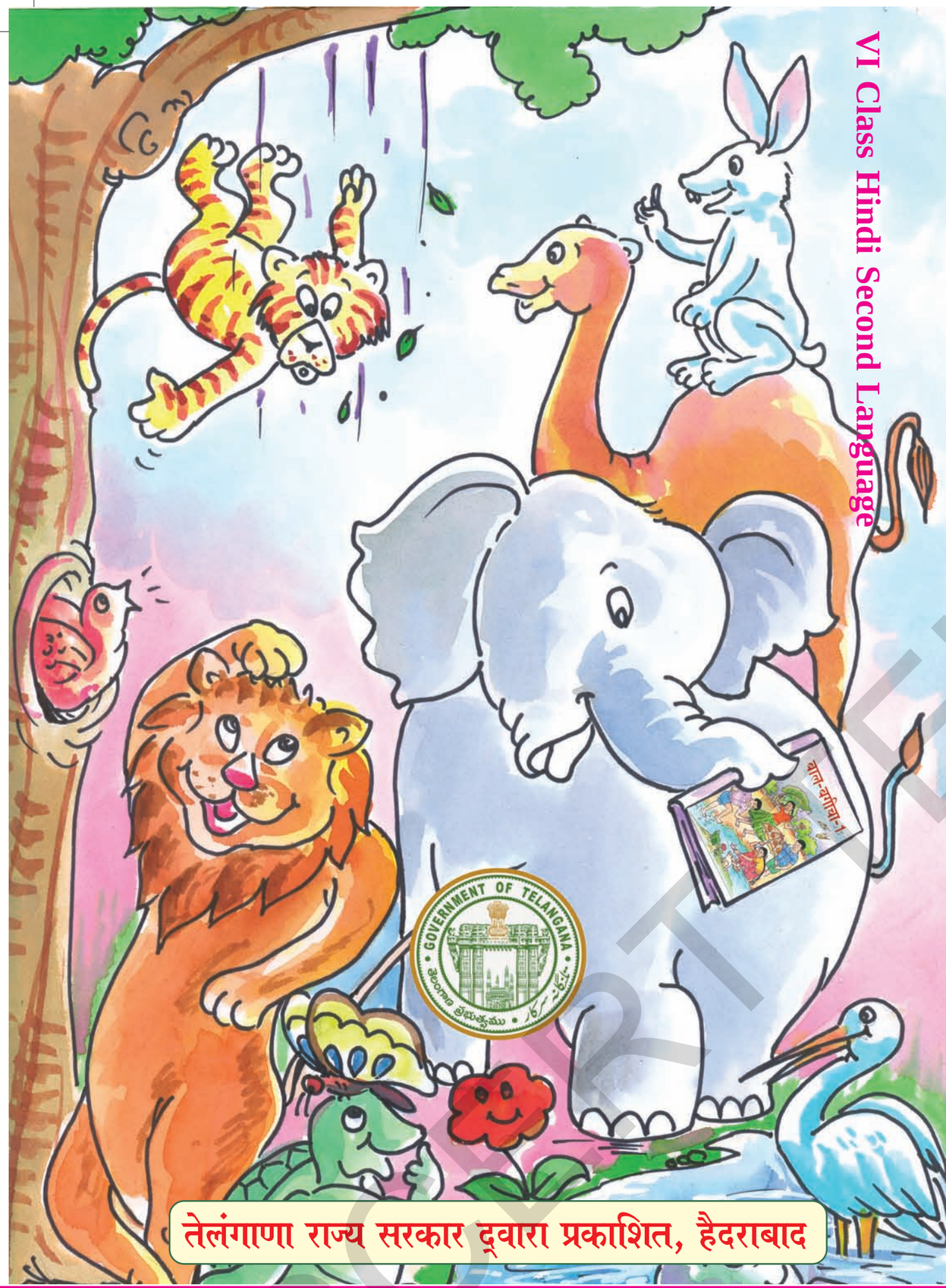

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

बाल-बगीचा-1

FREE

द्वितीय भाषा हिंदी कक्षा - 6 की पाठ्यपुस्तक

VI Class Hindi Second Language

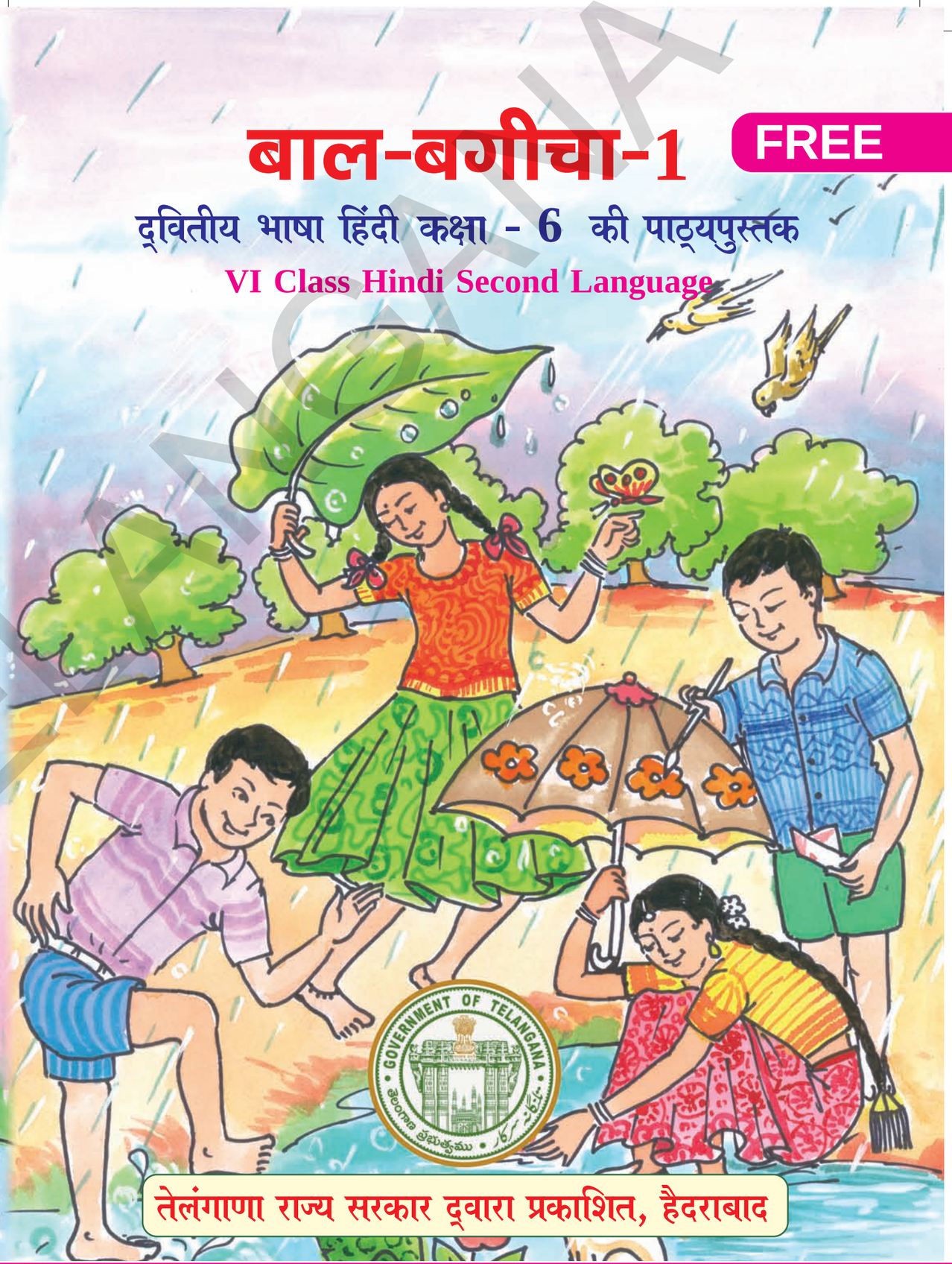

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

*यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप अपने भाषा कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।

*पाठ व अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिख सकते हैं।

*हर पाठ में दिये गये चित्र के माध्यम से आप सबसे पहले संज्ञा शब्दों की पहचान, तत्पश्चात क्रिया शब्दों की पहचान और सोच-विचार के वाक्य बनाने की पहचान करेंगे।

*हर पाठ में 'सुनो-बोलो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार के देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

*हर पाठ में 'पढ़ो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आप में पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।

*हर पाठ में 'लिखो' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करने चाहिए।

*हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास होता है।

*स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गई है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

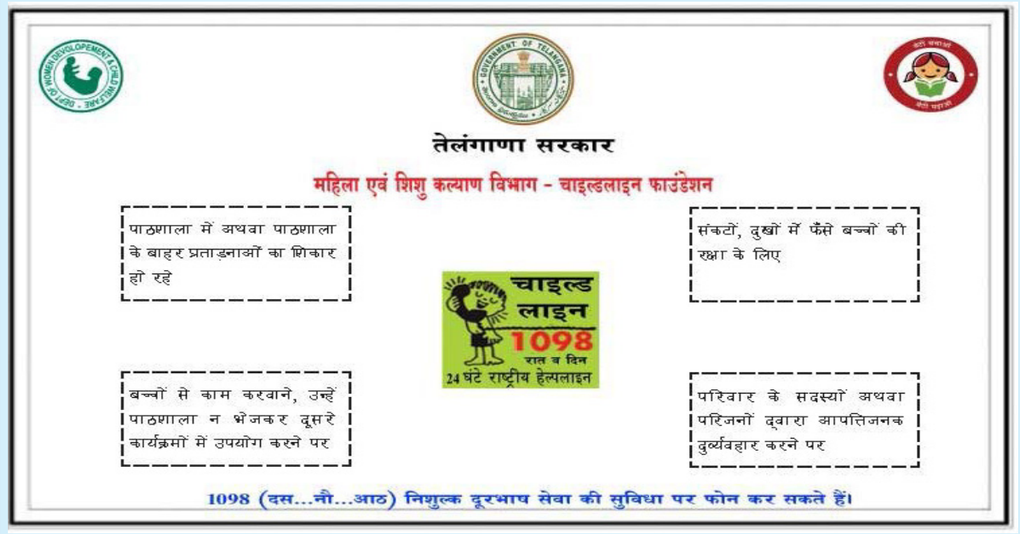

SCERT TELANGANA

बाल-बगीचा-1

कक्षा-6 हिंदी (द्वितीय भाषा)

Class-VI Hindi (Second Language)

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : **श्रीमती बी. शेषु कुमारी**
निदेशक, एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा

कार्यकारी प्रधान आयोजक : **श्री बी. सुधाकर**
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, तेलंगाणा राज्य

आयोजन प्रभारी : **डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी**
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

संपादक मंडल : **प्रो. टी. वी. कट्टीमनी**
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय,हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
उस्मानिया विश्वविद्यालय

समन्वयक : **श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी**
प्राध्यापिका, आई. ए. एस. ई., नेल्लूर, आं. प्र.

सय्यद मतीन अहमद,
हिंदी विभाग, एस.सी.आर.टी., हैदराबाद

डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
हिंदी विभाग, एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

शैक्षिक सलाहकार : **डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री**
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री सुवर्ण विनायक
एस. सी. ई. आर. टी., हैदराबाद

श्रीमती चारु सिन्हा, I.P.S
(विशेष सलाहकार लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना)
निदेशक, ACB तेलंगाणा, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2020-21

© Government of Telangana, Hyderabad.

First Published 2012
New Impressions - 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T. S. Government 2020-21

Printed in India
at Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

तेलंगाणा राज्य में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सिखानी है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं।

इस पाठ्य-पुस्तक में रंगीन चित्र, बालगीत, छोटे संभाषण, चित्रपठन, चित्रकथा, पठन पाठ, रोचक कहानियाँ आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में सोच-विचार कर उत्तर देना, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना कर सकते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

पाठशाला शिक्षा विभाग द्वारा प्रकाशित विद्यालयीन पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना संबंधित मुद्दों को जोड़ा गया है। यूनिसेफ के समर्थन से बच्चों की सुरक्षा को आश्वस्त करने के लिए भिन्न-भिन्न हस्तक्षेपों जैसे व्यक्तिगत सुरक्षा नियम, लैंगिक संवेदनशीलता, बाल लैंगिक प्रताड़ना, आत्मविश्वास, जीवन कौशल के क्षेत्रों में बाल सुरक्षा व्यवस्था तथा बाल सुरक्षा नियमों की सावधानी बरती गयी है।

अतः अध्यापकों को चाहिए कि इन विषयों के संबंध में अनिवार्य जानकारी रखें और छात्रों एवं उनसे जुड़े समुदायों तक पहुँचाएँ।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
तेलंगाणा, हैदराबाद

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

* इस पाठ्य-पुस्तक में 12 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में बाँटा गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
* पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोणों से सोचने का अवसर दें।
* पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। बालगीत, कविता आदि श्यामपट पर लिखें, पढ़ें, पढ़वायें, सुनायें। अभिनययुक्त पठन करवायें।
* हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
* पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बाँटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर दें, जिससे वे स्वयं ये अभ्यास कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में ही अभ्यास पुस्तिका निहित है। अतः इसके साथ-साथ छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका हो जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
* इसमें वर्ण सीखने की प्रक्रिया संदर्भ, वाक्य, शब्द, अक्षर के क्रम में हैं। इसलिए अक्षर वर्णमाला के क्रम में नहीं हैं। सीखे गये अक्षर बालक वर्णमाला चार्ट में पहचान सकते हैं।
* इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
* यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
* प्रत्येक इकाई में पठन हेतु एक पाठ भी दिया गया है। इसके द्वारा छात्र स्वयं उसका पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
* विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे कि छात्रों को आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा मिलें।

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्री सय्यद मतीन अहमद
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

डॉ. पी. शारदा
एस. सी. ई. आर. टी., तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

कुमारी ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
जिला हिंदी संसाधक, नलगोंडा

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती बी. वी. शारदा देवी
जिला हिंदी संसाधक, पूर्व गोदावरी

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद उसमान
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

श्री मोहम्मद अज़मत खान
हिंदी अध्यापक, रंगारेड्डी

श्री जी. तिरुपति रेड्डी
राज्य हिंदी संसाधक, तेलंगाणा राज्य

डॉ. पठान रहीम खान
सहायक आचार्य, एम.ए.एन.यु विश्वविद्यालय

श्री मोहम्मद कलीम
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

चित्रांकन

श्री बीरा श्रीनिवास
खम्मम, तेलंगाणा राज्य

श्री कुरेल्ला राघवचारी
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री वड्डेपल्ली वेंकटेशम
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

श्री टी. वी. राधाकृष्णा
मेदक, तेलंगाणा राज्य

श्री चेंचला वेंकटरमणा
नलगोंडा, तेलंगाणा राज्य

डी. टी. पी. एवं ले आउट : श्रीमती एन. हेमलता

SCERT TELANGANA

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्लकुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

- बंकिमचंद्र चटर्जी

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
I.		पाठशाला	चित्रपठन	जून	02
	1.	आम ले लो आम!	बालगीत	जुलाई	04
	2.	हमारा गाँव	बालगीत	जुलाई	08
	3.	रेलवे स्टेशन	बालगीत	अगस्त	12
II.		तीन मित्र	चित्रपठन	अगस्त	17
	4.	बाज़ार	बालगीत	अगस्त	18
	5.	मेरा परिवार	बालगीत	सितंबर	24
	6.	चिड़ियाघर	चित्रपठन	सितंबर	28
III.		.....	चित्रकथा	अक्तूबर	33
	7.	मैदान	चित्रपठन	अक्तूबर	34
	8.	बाल दिवस	वार्तालाप	नवंबर	40
	9.	खुशियों की दुनिया	कविता	नवंबर	44
IV.		हिंद देश के निवासी	गीत	दिसंबर	49
	10.	चुक्की और जब्बार	कहानी	दिसंबर	50
	11.	उद्यान	निबंध	जनवरी	56
	12.	बच्चे चले क्रिकेट खेलने	कहानी	फरवरी	60

ये पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

इकाई – I

पाठशाला

यह कौन-सी कक्षा है? कक्षा में क्या-क्या है? अध्यापिका क्या कर रही हैं? जो बच्चे खड़े हैं, वे क्या कर रहे हैं? जो बच्चे बैठे हैं, वे क्या कर रहे हैं? तुम्हारी कक्षा में क्या-क्या है?आप अपनी अध्यापिका से क्या बातचीत करते हैं?

© SCERT TELANGANA

© SCERT TELANGANA

1. आम ले लो आम!

☞ न म र अ 'आ - ा'

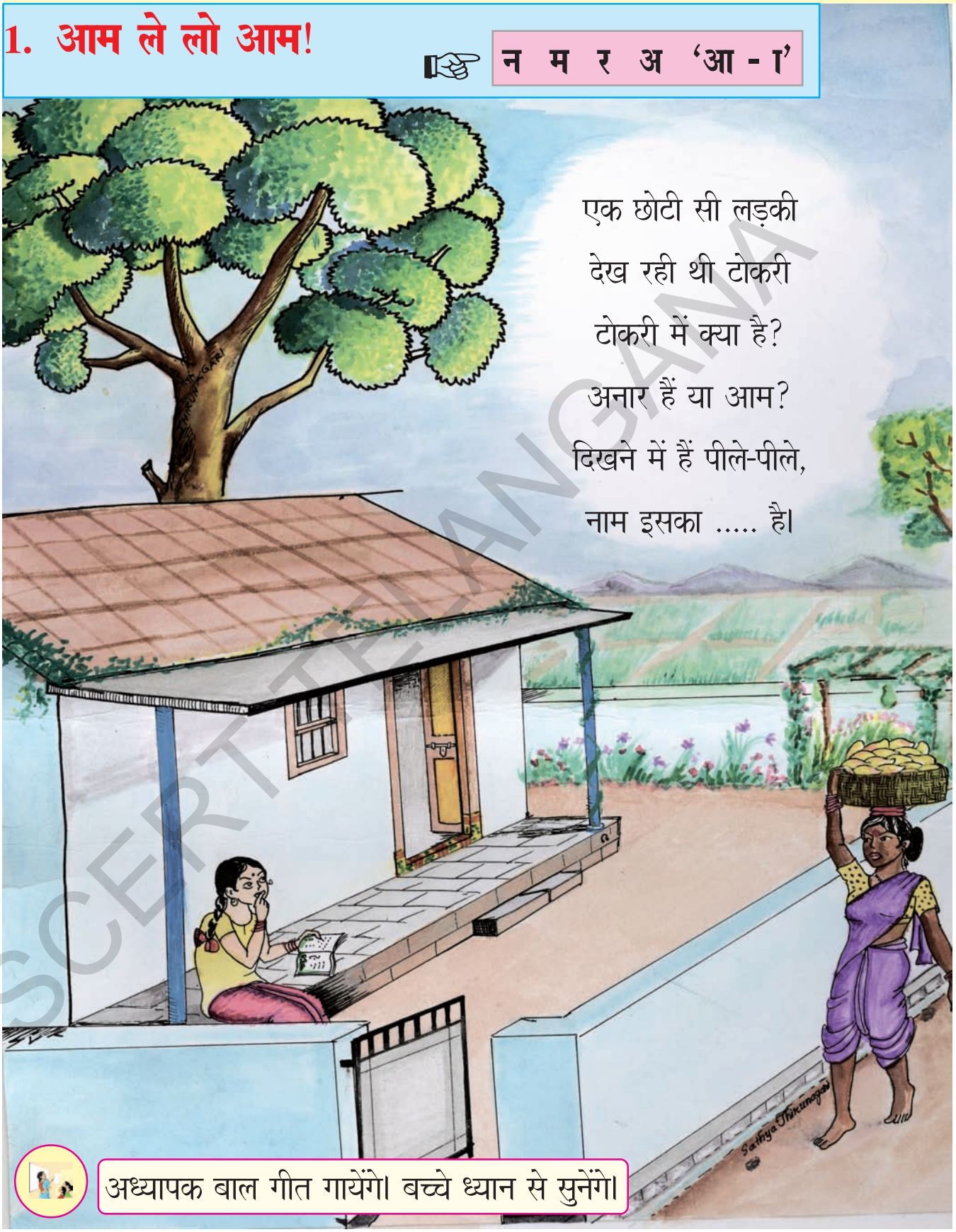

अध्यापक बाल गीत गायेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र में क्या-क्या हैं?

2. तुम्हें कौन-सा फल पसंद है? क्यों?

पढ़ो

(अ) गीत में 'आ - ा' मात्रा वाले शब्दों पर '◯' लगाइए।

(आ) 'अनार' शब्द पर '◯' और 'आम' शब्द पर '□' लगाइए।

यह अनार है।

यह आम है।

यह आम का पेड़ है।

अनार के दाने लाल हैं।

(इ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। इन्हें वर्णमाला चार्ट में पहचानो। '◯' लगाइए।

अनार				आम	
अ	ना		र	आ	म
अ	न	ा	र	आ	म

SCERT TELANGANA

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

(ई)वर्ण बोलिए और संख्याओं के अनुसार जोड़कर शब्द बनाइए।

अ	ना	र	आ	म
1	2	3	4	5

उदा :- नाम

वर्ण 3 कौन-सा है?

वर्ण 5 कौन-सा है?

वर्ण 1 कौन-सा है?

वर्ण 2, 5 कौन-से हैं? इन्हें मिलाकर पढ़ो।

वर्ण 4, 2 कौन-से हैं? इन्हें मिलाकर पढ़ो।

वर्ण 5, 2 कौन-से हैं? इन्हें मिलाकर पढ़ो।

लिखो

(अ) मात्रा जोड़िए और लिखिए।

आ		न	म	र
ा	उदाहरण :	ना		

SCERT TELANGANA

(आ) शब्द पढ़िए और लिखिए।

अनार नाम मामा

(इ) खाली स्थान भरिए।

1. लड़का खाता है।

लड़का ..... खाता है।

2. के दाने लाल-लाल हैं।

..... के दाने लाल-लाल हैं।

(ई) अपने मनपसंद फल का चित्र बनाइए। नाम लिखिए।

नाम :-.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	**हाँ (✓)**	**नहीं (×)**
1. मैं बालगीत अभिनय के साथ गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'न, म, र, अ, आ' वर्ण पहचान और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

2. हमारा गाँव

क ख ल स 'इ - ि' 'ई - ी'

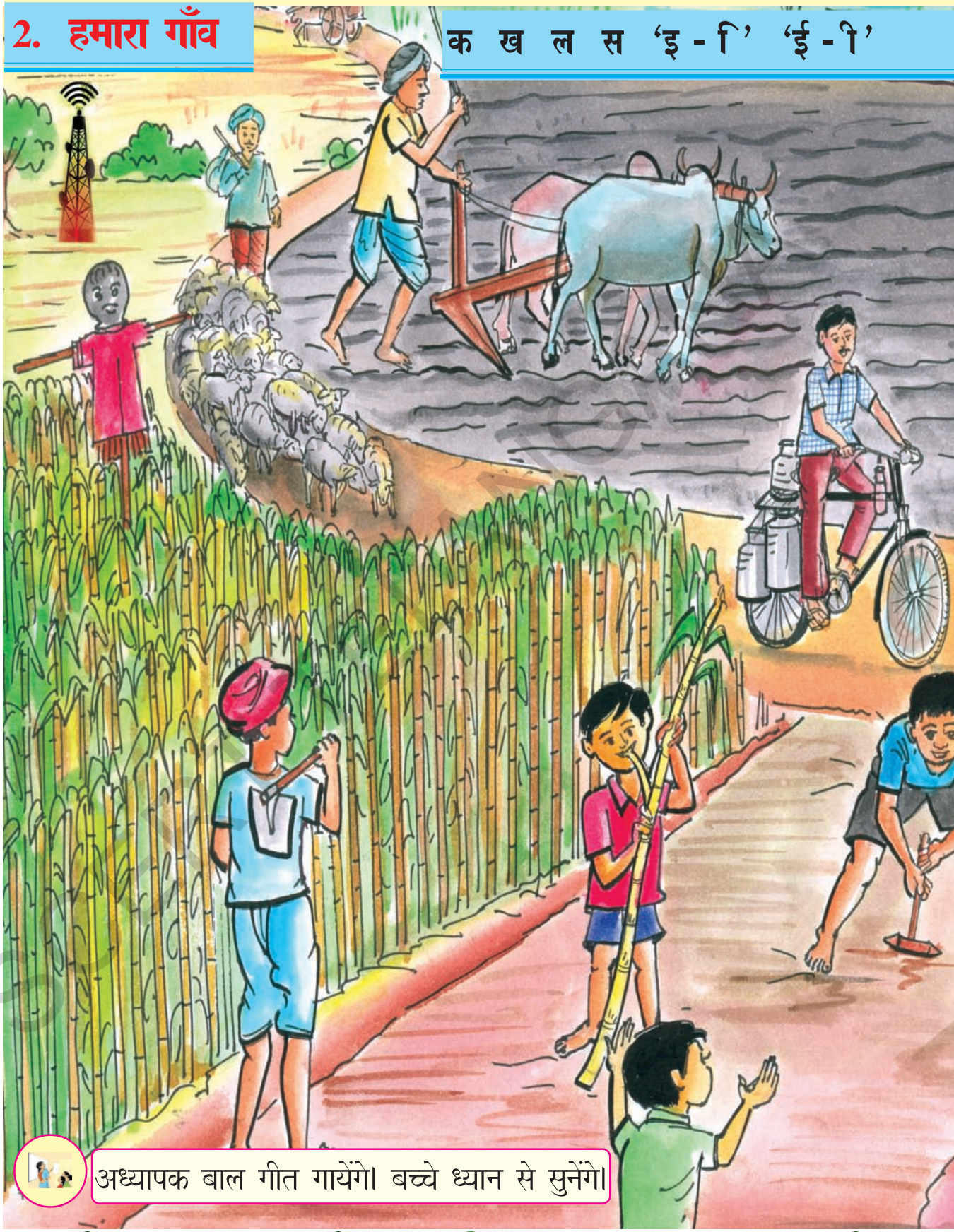

अध्यापक बाल गीत गायेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

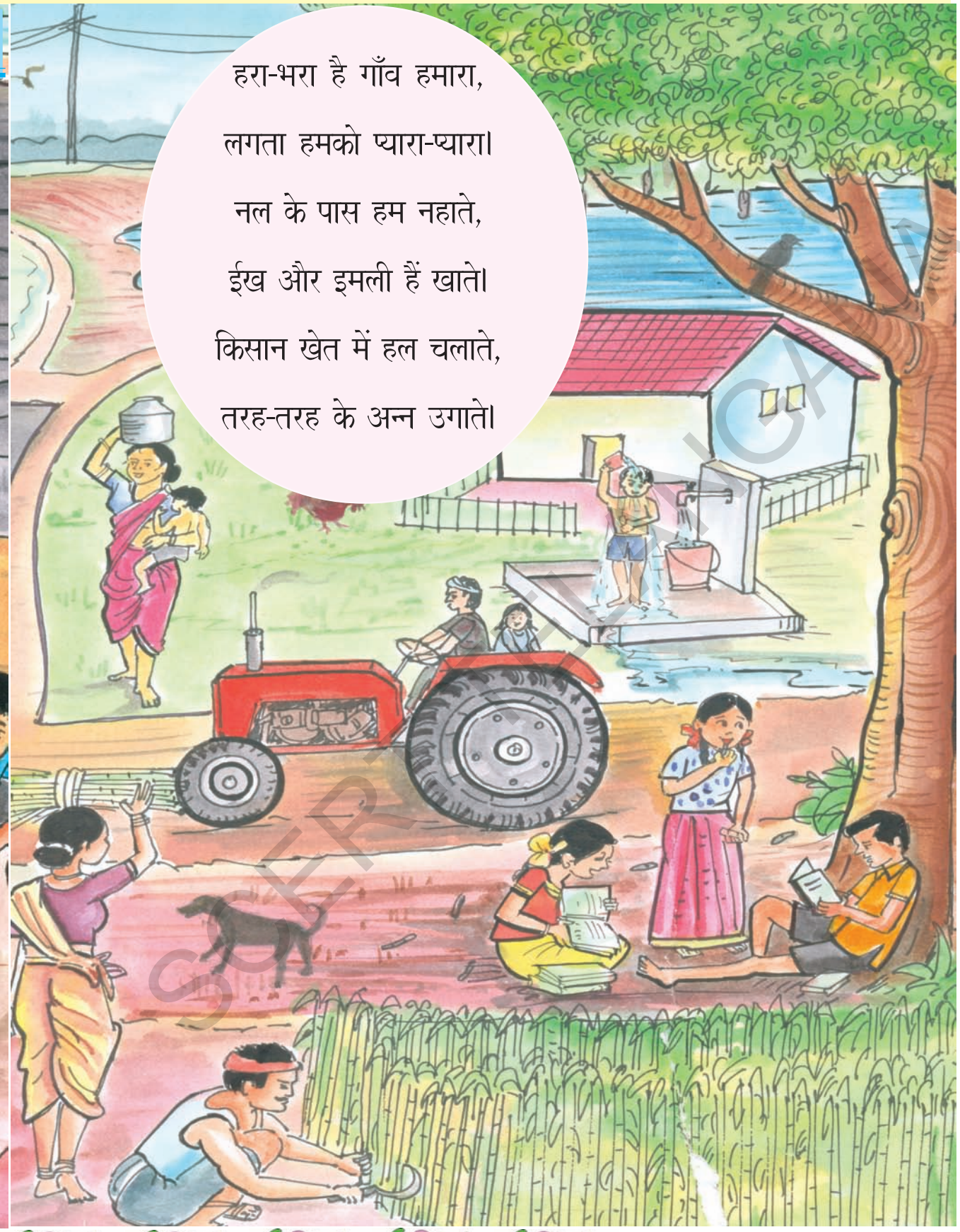

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र में क्या हैं?

2. अपने गाँव के बारे में बताओ।

पढ़ो

(अ) गीत पढ़िए। 'इ - ि', 'ई - ी' मात्रा वाले शब्दों पर '◯' लगाइए।

(आ) गीत पढ़िए। 'इमली' शब्द पर '◯' और 'ईख' शब्द पर '□' लगाइए।

(इ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। इनके अक्षर वर्णमाला चार्ट में पहचानो। '◯' लगाइए।

ईख		इमली			किसान				
ई	ख	इ	म	ली	कि	सा	न		
ई	ख	इ	म	ल	ी	कि	स	ा	न

(ई) जोड़ी बनाओ।

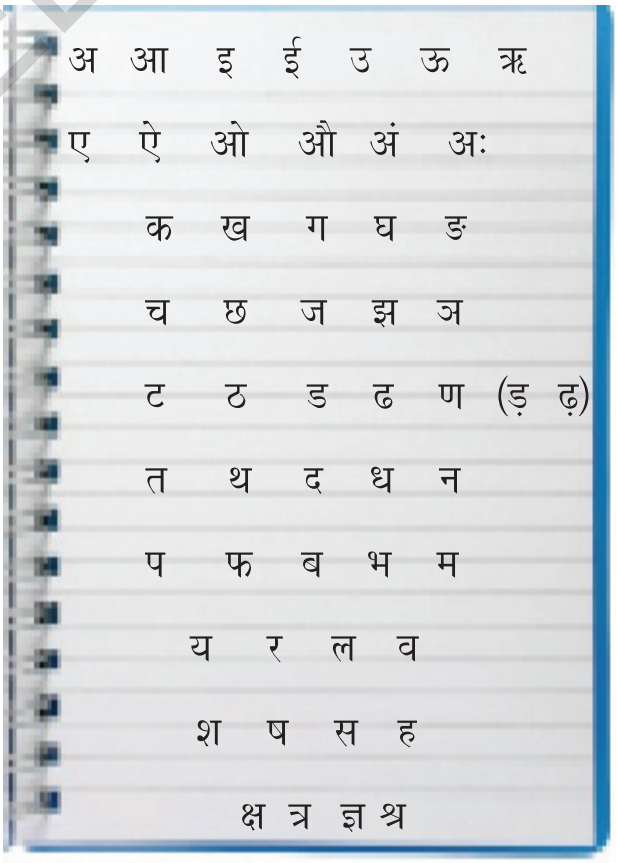

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) मात्राएँ जोड़कर लिखिए और पढ़िए।

		क	ख	न	म	र	स	ल
आ	ा	का						
इ	ि	कि						
ई	ी	की						

(आ) शब्द पढ़िए और लिखिए।

इमली ईख किसान कील

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(इ) रानी को आम तक पहुँचाइए। रास्ते में मिलने वाली चीज़ों के नाम लिखिए।

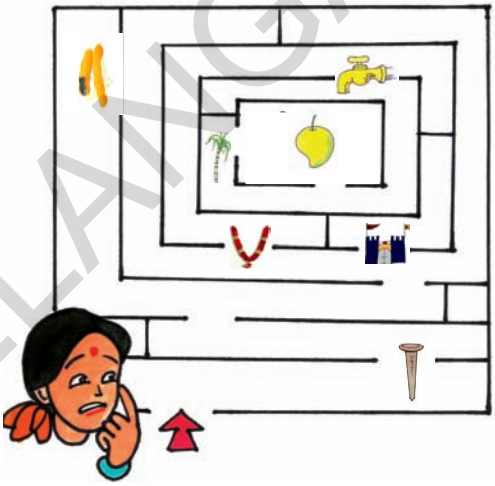

जैसे :- कील

.....

.....

.....

(ई) रंग भरिए। नाम लिखिए।

नाम :.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं बालगीत अभिनय के साथ गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं क, ख, ल, स, इ, ई' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

3. रेलवे स्टेशन

घ च छ ट ड 'उ - ु' 'ऊ - ू'

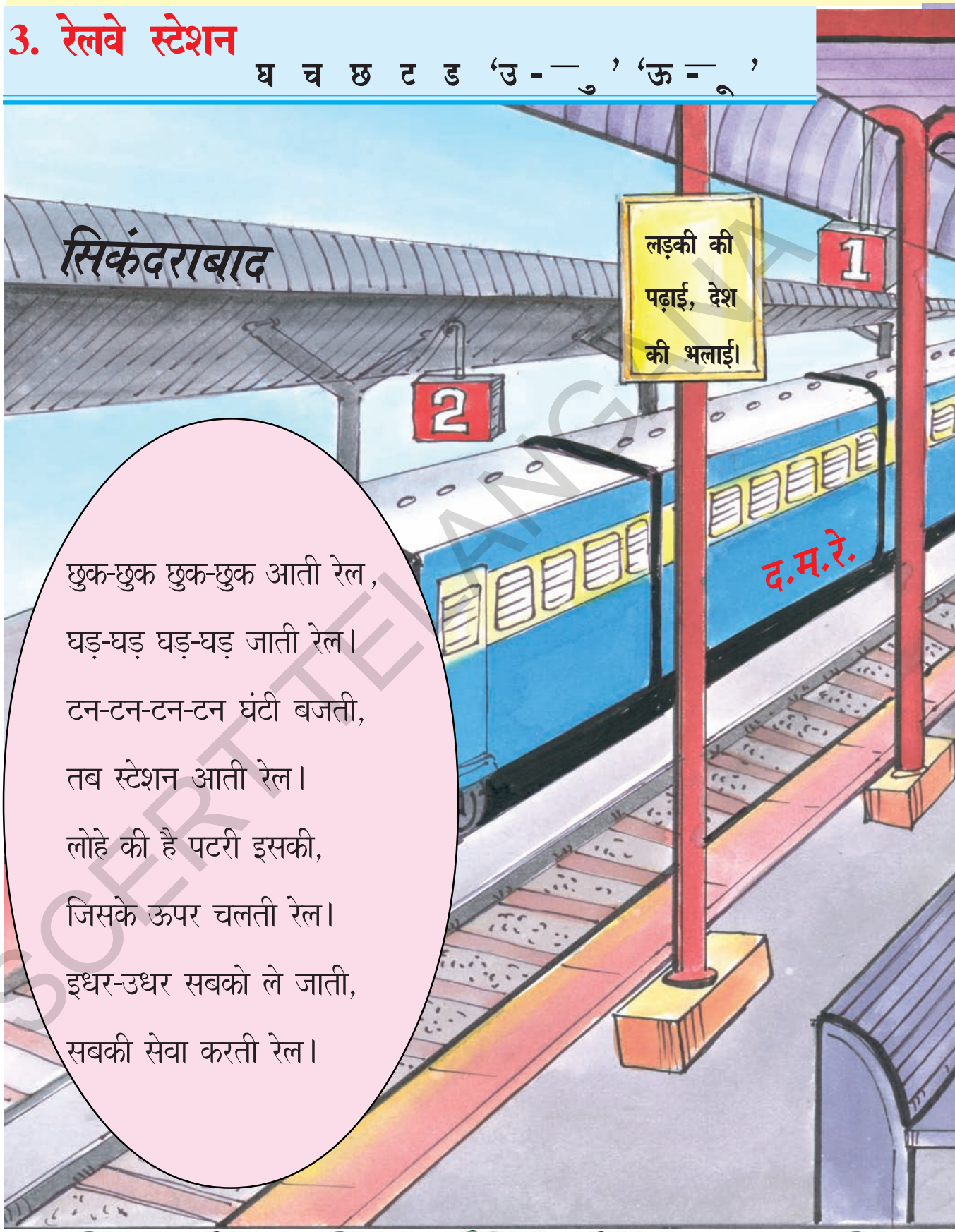

छुक-छुक छुक-छुक आती रेल,
घड़-घड़ घड़-घड़ जाती रेल।
टन-टन-टन-टन घंटी बजती,
तब स्टेशन आती रेल।
लोहे की है पटरी इसकी,
जिसके ऊपर चलती रेल।
इधर-उधर सबको ले जाती,
सबकी सेवा करती रेल।

SCERT TELANGANA

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. चित्र में क्या-क्या हैं?
2. यातायात के साधनों के नाम बताइए।

पढ़ो

(अ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। इनके वर्ण वर्णमाला चार्ट में पहचानिए। '◯' लगाइए।

उमा			ऊन		घड़ी			चाय		छतरी			
उ	मा		ऊ	न	घ	ड़ी		चा	य	छ	त	री	
उ	म	ा	ऊ	न	घ	ड़	ी	च	ा	य	छ	त	र	ी

टिकट			
टि		क	ट
ि	ट	क	ट

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिये गये बक्से में 'ु' और 'ू' की मात्रा के अंतर पहचानते हुए पढ़िए।

स्वर	मात्रा	क	ख	घ	च	छ	ध	न	म	र	ल	स
उ	ु	कु	खु	घु	चु	छु	धु	नु	मु	रु	लु	सु
ऊ	ू	कू	खू	घू	चू	छू	धू	नू	मू	रू	लू	सू

(इ) इन्हें पढ़िए।

उमा ऊन सुख मूली आलू कुल कुली
रुई सुई डमरू खून कछुआ रूमाल चूड़ी

(ई) समान शब्दों की जोड़ी बनाइए।

उमा	टिकट
ऊन	छतरी
घड़ी	ऊन
चाय	उमा
छतरी	घड़ी
टिकट	चाय

लिखो

(अ) मात्रा जोड़िए और लिखिए।

	क	ख	घ	च	छ	ड	न	म	र	ल	स
ा											
ि											
ी											
ु											
ू											

SCERT TELANGANA

(आ) सुंदर अक्षरों में लिखिए।

उमा ऊन चाय छतरी घड़ी टिकट

(इ) खाली स्थान भरिए।

1. यह है।

यह ..... है।

2. यह है।

यह ..... है।

(ई) रंग भरिए। नाम लिखिए।

नाम : .....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं बालगीत अभिनय के साथ गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'घ, च, छ, ट, ड, उ, ऊ' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

तीन मित्र

देखो-समझो-बोलो

चित्र देखिए और समझिए। अपनी कल्पना से कहानी बताइए।

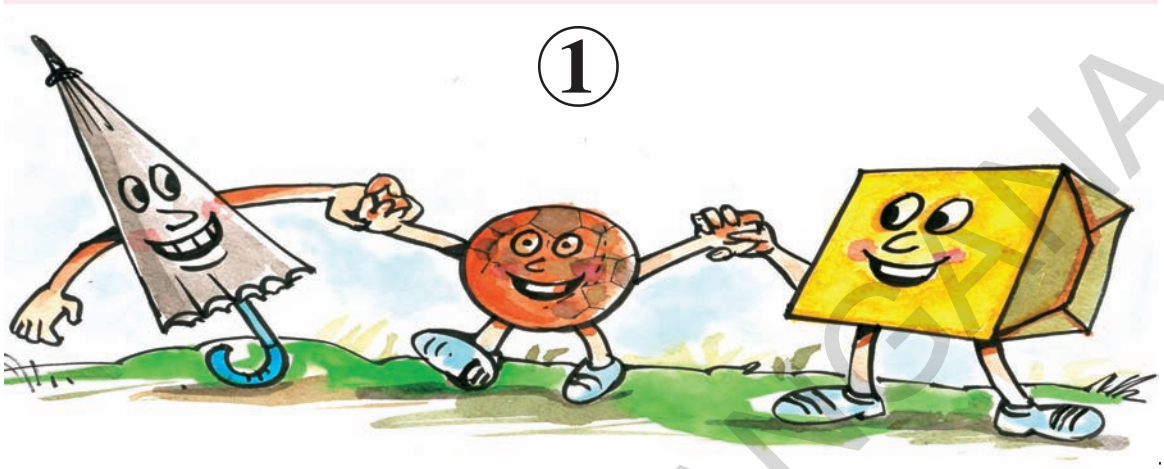

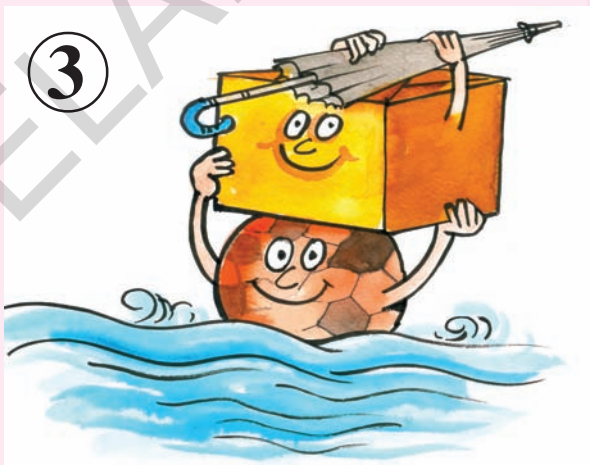

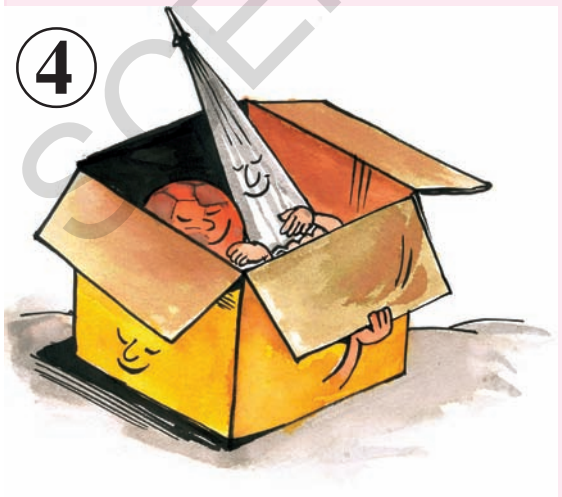

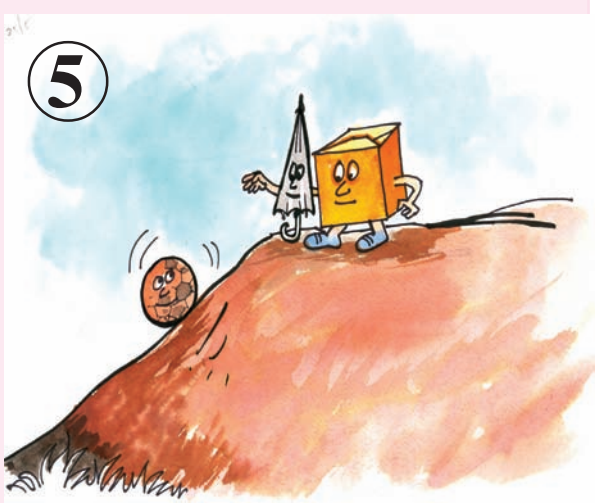

SCERT TELANGANA

4. बाज़ार

ज फ ब भ ष ऋ - ृ

देखो-देखो यह बाज़ार,
कितना प्यारा है बाज़ार।
सब कुछ मिलता है यहाँ,
सब लोगों का यह बाज़ार।।

अध्यापक बाल गीत गायेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. बाज़ार में क्या-क्या मिलता है?
2. बाज़ार से क्या लाभ है?

पढ़ो

(अ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए।

बस

बाघ

ऋषभ

फल

कृषक

(आ) चित्र के आधार पर वाक्य पढ़िए। ऋ अक्षर पर '◯' लगाइए।

यह ऋषि है।

किसान के पास ऋषभ हैं।

यह बाघ है।

(इ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। इनके वर्ण वर्णमाला चार्ट में पहचानिए। '◯' लगाइए।

ऋषभ			बालक				फल		जल		कृषक			
ऋ	ष	भ	बा		ल	क	फ	ल	ज	ल	कृ		ष	क
ऋ	ष	भ	ब	ा	ल	क	फ	ल	ज	ल	क	ृ	ष	क

SCERT TELANGANA

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

(ई) **इन्हें पढ़िए।**

ब	फ	ज	ष	भ	ऋ

बस	फल	जल	कृषक	ऋषि	फूल	उषा
ऋषभ	बाज़ार	ज़मीन	कमीज़	जग	भूमि	भालू

(उ) **ऋ- 'ृ' की मात्रा जोड़ते हुए पढ़िए।**

अक्षर	मात्रा	क	घ	च	ज	न	फ	ब	भ	म	स
ऋ	ृ	कृ	घृ	चृ	जृ	नृ	फृ	बृ	भृ	मृ	सृ

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) सुंदर अक्षरों में लिखिए।

	क	च	छ	ड	ब	ज	फ	ष	भ
ा									
ि									
ी									
ु									
ू									
ृ									

(आ) शब्द पढ़िए और लिखिए।

ऋषभ कृषक बाघ जल फल

SCERT TELANGANA

(इ) अक्षरों को मिलाकर पढ़िए और लिखिए।

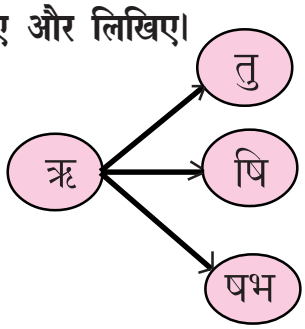

.....

.....

.....

(ई) रंग भरिए। नाम लिखिए।

नामः .....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं बालगीत अभिनय के साथ गा सकता/सकती हूँ। 2. मैं 'ज, फ, ब, भ, ष, ऋं वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ। 3. मैं इन **वर्णों** से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ। 4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

5. मेरा परिवार

ग त थ ध प 'ए - े' 'ऐ - ै'

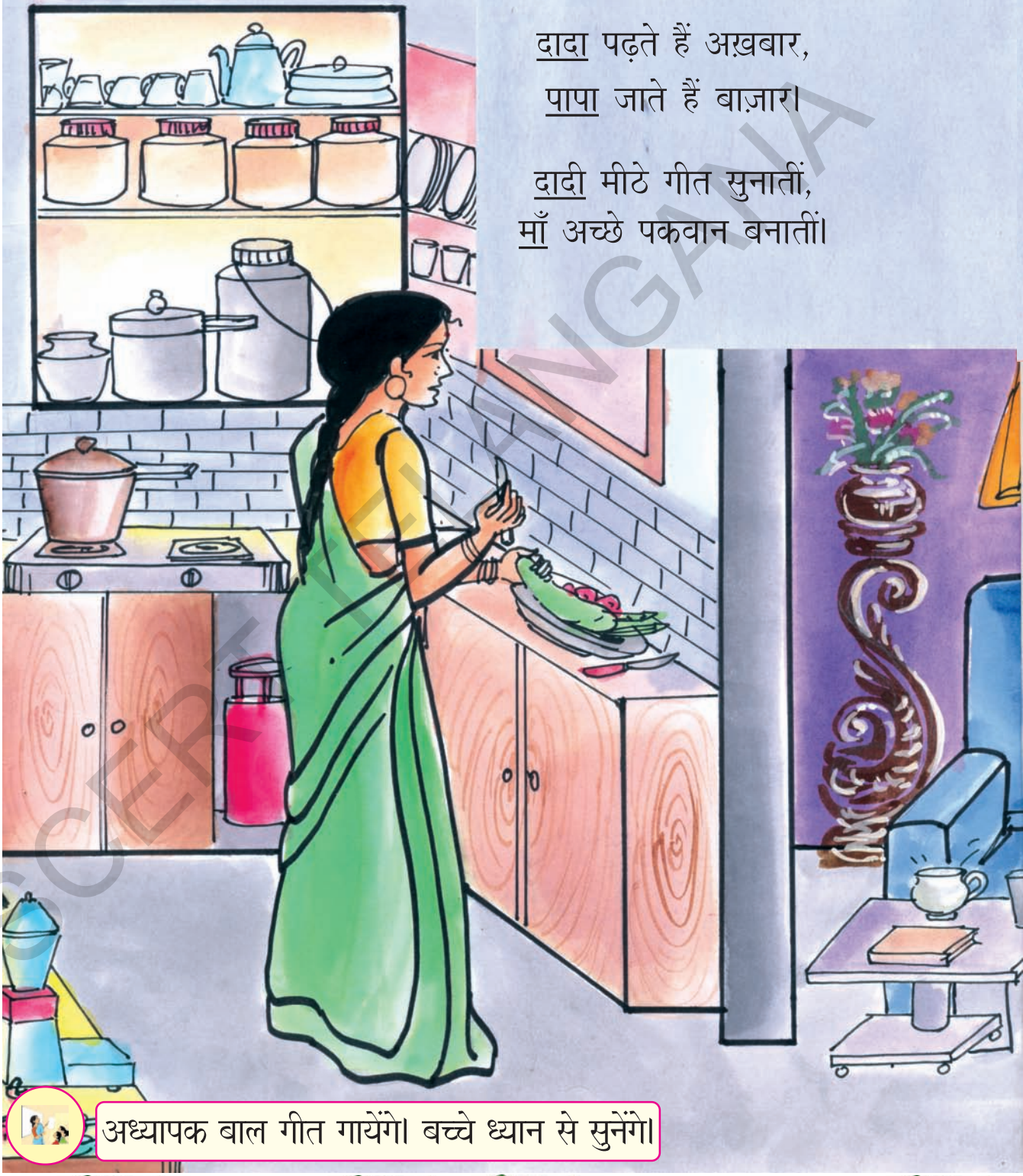

<u>दादा</u> पढ़ते हैं अख़बार,
<u>पापा</u> जाते हैं बाज़ार।

<u>दादी</u> मीठे गीत सुनातीं,
<u>माँ</u> अच्छे पकवान बनातीं।

SCERT TELANGANA

अध्यापक बाल गीत गायेंगे। बच्चे ध्यान से सुनेंगे।

मैं और भैया दोनों पढ़ते,
आपस में मिलजुलकर रहते।

मुझको अपने घर से प्यार,
यह है मेरा घर परिवार।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. कविता में रेखांकित शब्दों का लिंग परिवर्तन कर सुनाइए।

2. तुम्हारे घर में कौन क्या-क्या काम करते हैं?

पढ़ो

(अ) प्रश्न के उत्तर बताइए।

1. दादाजी क्या कर रहे हैं?
2. मीठे-मीठे गीत कौन सुनाती हैं?
3. घर में कौन पढ़ते हैं?

(आ) शब्द पढ़िए। इनके वर्ण वर्णमाला चार्ट में पहचानिए। '◯' लगाइए।

तेल	थैली	पेड़	धागा	एक	ऐनक
ते ल	थै ली	पे ड़	धा गा	ए क	ऐ न क
त ◌े ल	थ ◌ै ल ◌ी	प ◌े ड़	ध ◌ा ग ◌ा	ए क	ऐ न क

(इ) इन्हें पढ़िए।

तन	धागा	मेला	एड़ी
ऐनक	पैसा	तेल	पैर
नैना	थरमस	पटाका	लड़का
थैला	धूल	मैना	बैल

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

(ई) नीचे दिए गए बक्से के अक्षरों में '◌े' और '◌ै' मात्रा का अंतर समझते हुए पढ़िए।

अक्षर	मात्रा	क	घ	च	ज	न	फ	ग	त	थ	ध	प
ए	◌े	के	घे	चे	जे	ने	फे	गे	ते	थे	धे	पे
ऐ	◌ै	कै	घै	चै	जै	नै	फै	गै	तै	थै	धै	पै

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) सुंदर अक्षरों में लिखिए।

एड़ी ऐनक थैली पेड़ धागा तितली

(आ) मात्रा लगाकर लिखिए।

	क	च	त	द	म	स
ा	का					
ि	कि					
ी	की					
ु	कु					
ू	कू					
ृ	कृ					
े	के					
ै	कै					

(इ) 'ए - े' मात्रा वाले वर्णों को 'ल' के साथ जोड़कर पढ़ो और लिखो।

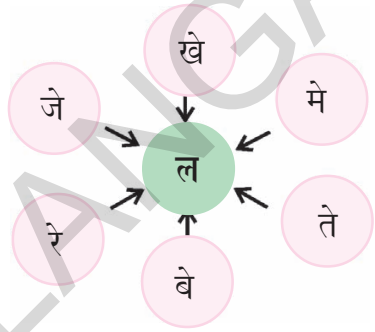

खेल

(ई) पढ़ो - लिखो

1. पेड़ पर मैना थी।

.....

2. ऋषभ कृषक का साथी।

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं बालगीत अभिनय के साथ गा सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'ग, त, थ, ध, प, ए. ऐ' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

6. चिड़ियाघर

झ श ह ण य 'ओ - ो' 'औ - ौ'

SCERT TELANGANA

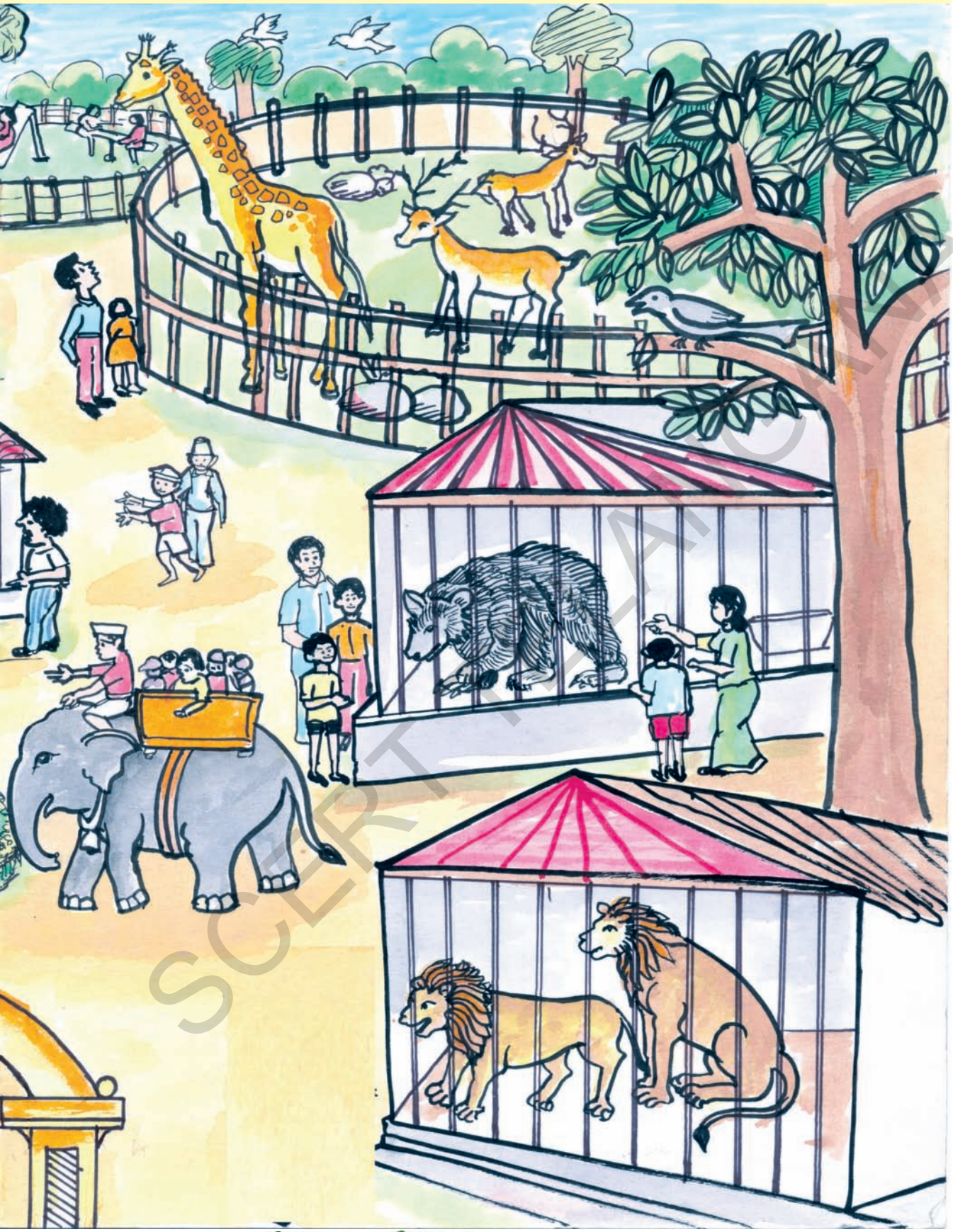

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. तुम्हें चिड़ियाघर कैसा लगता है?
2. जंगल में कौन-कौन से जानवर दिखाई देते हैं?

पढ़ो

(अ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए।

ओस

औरत

शरबत

हिरण

कोयल

(आ) चित्र वाले शब्द पर '◯' लगाइए।

पत्ते पर ओस गिरी है।

यह शरबत है।

यह औरत है।

यह कोयल है।

हिरण दौड़ रहा है।

(इ) चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। वर्ण पढ़िए। इन वर्णों को वर्णमाला चार्ट में पहचानिए।

ओस			औरत				कोयल			शरबत				हिरण			
ओ		स	औ		र	त	को		य	ल	श	र	ब	त	हि		र	ण
अ	ो	स	अ	ौ	र	त	क	ो	य	ल	श	र	ब	त	ि	ह	र	ण

SCERT TELANGANA

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

(ई) इन्हें पढ़िए।

श ह ण य ओ औ

ओला	ओस	औज़ार	औरत
औषध	गोली	चीन	नौ
पौधा	बाण	यश	शरबत
शहर	सात	सोना	झूला
हाथी	हिरण	हल	जगत

(उ) नीचे दिए गए बक्से के अक्षरों में 'ो' और 'ौ' की मात्रा का अंतर समझते हुए पढ़िए।

	क	घ	च	ज	न	फ	ब	भ	म	ल	स
ो	को	घो	चो	जो	नो	फो	बो	भो	मो	लो	सो
ौ	कौ	घौ	चौ	जौ	नौ	फौ	बौ	भौ	मौ	लौ	सौ

लिखो

(अ) शब्द पढ़िए। लिखिए।

ओस औरत कोयल शरबत हिरण झूला

SCERT TELANGANA

(आ) मात्रा जोड़िए और लिखिए।

अक्षर	मात्रा	क	ग	च	झ	त	य	द	ध	श	ष	स
आ	ा	का										
इ	ि	कि										
ई	ी	की										
उ	ु	कु										
ऊ	ू	कू										
ऋ	ृ	कृ										
ए	े	के										
ऐ	ै	कै										
ओ	ो	को										
औ	ौ	कौ										

(इ) पढ़िए और लिखिए।

चौराहे पर पुलिस है। .....

औरत खाना बना रही है। .....

(ई) अपने मनपसंद पशु-पक्षियों के नाम लिखिए।

....., ..., ..., ...

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं चित्र के नाम बता सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'झ, श, ह, ण, य, ओ, औ' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

(चित्र कहानी पढ़िए और नाम दीजिए।)

एक दिन एक ने एक पकड़ ली।

के मुँह से फिसल गयी। कहाँ

है? ने से पूछा। ने कहा - 'मुझे

नहीं पता।' से पूछो। ने कहा - 'मुझे

नहीं पता।' से पूछो। ने कहा मुझे नहीं

पता से पूछो। से पूछने पर उसने

कहा - 'तुम्हारे पेट में होगी देख लो जाओ।'

SCERT TELANGANA

7. मैदान द ठ ढ व 'अं - ं' 'अः - ः'

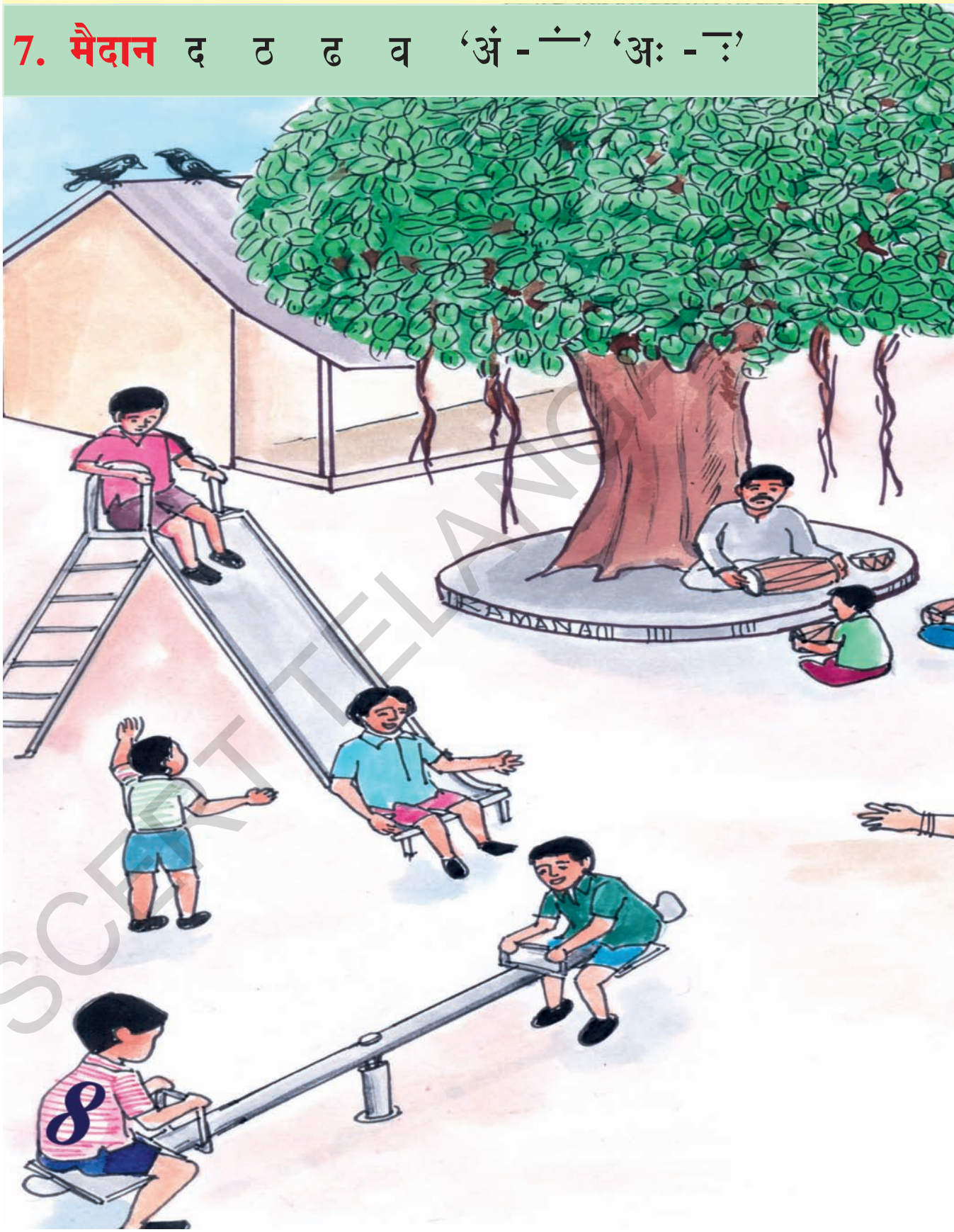

SCERT TELANGANA

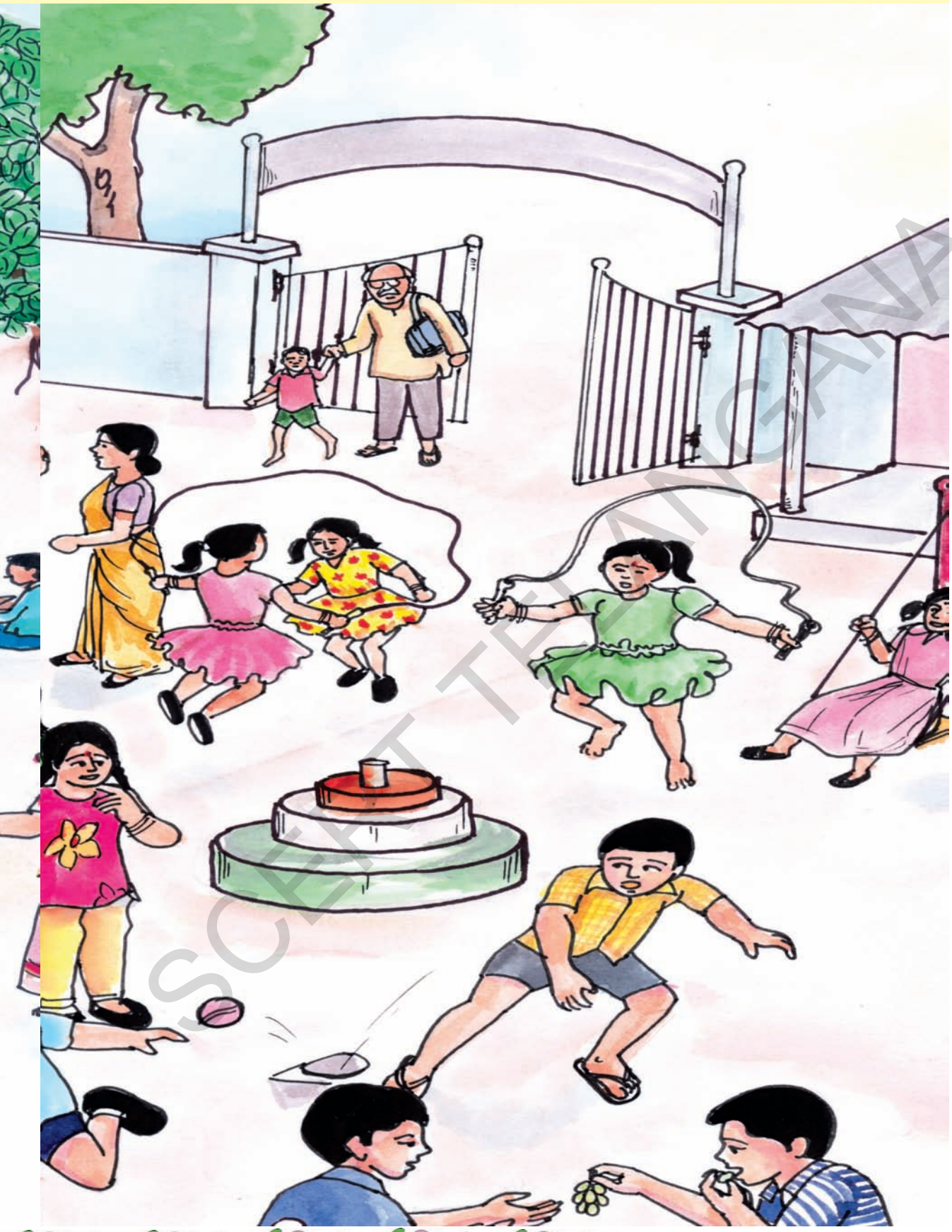

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. मैदान में क्या-क्या हैं?

2. तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है?

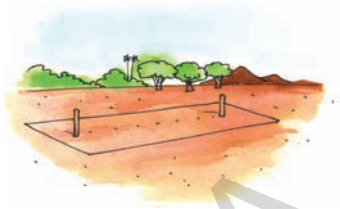

पढ़ो

(अ) चित्र से जुड़े शब्द पर '◯' लगाइए।

यह वट का पेड़ है।

यह ढोल है।

अंगूर खट्टे-मीठे होते हैं।

यह आठ है।

(आ) दिए गए चित्र देखिए। शब्द पढ़िए। वर्ण पढ़िए। इन वर्णों को वर्णमाला चार्ट में पहचानिए।

वट		ढोल		आठ		अंगूर			दाल	
व	ट	ढो	ल	आ	ठ	अं	गू	र	दा	ल
व	ट	ढ	ो	ल	आ	ठ	अं	ग	ू	र	द	ा	ल

SCERT TELANGANA

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

(इ) नीचे दिए गए बक्से के वर्णों में '◌ं' और '◌ः' मात्रा के अंतर को समझते हुए पढ़िए।

अक्षर	मात्रा	व	ट	ढ	ल	ठ	ग	र	द	स	न	प
अं	◌ं	वं	टं	ढं	लं	ठं	गं	रं	दं	सं	नं	पं
अः	◌ः	वः	टः	ढः	लः	ठः	गः	रः	दः	सः	नः	पः

(ई) जोड़ी बनाइए।

अंगूर

वट

ढोल

आठ

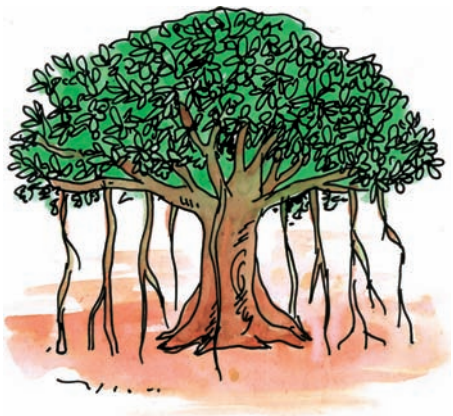

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) मात्रा जोड़कर लिखिए।

अक्षर	मात्रा	क	ग	च	ज	ठ	ढ	त	द	र	ल	स
आ	ा	का										
इ	ि	कि										
ई	ी	की										
उ	ु	कु								रु		
ऊ	ू	कू								रू		
ऋ	ृ	कृ								...		
ए	े	के										
ऐ	ै	कै										
ओ	ो	को										
औ	ौ	कौ										
अं	ं	कं										
अः	ः	कः										

(आ) शब्द पढ़िए और लिखिए।

दादा ठठेरा ढोल वट अंबर

ऊपर के शब्दों में से पहले अक्षर पहचानकर नीचे लिखिए।

द				

SCERT TELANGANA

(इ) तालिका में से वर्ण चुनकर शब्द बनाइए। उन शब्दों को नीचे दी गयी तालिका के सही डिब्बों में लिखिए।

ढ	ठ	द	व
स	ग	म	न
अं	ब	र	दा
ढो	ल	दा	मै

द	ठ	ढ	व	म	अं
दस					

(ई) तुम्हें कौन-सा खेल पसंद है? उस खेल की सामग्री के चित्र बनाइए।

तुम्हारे द्वारा खेले जाने वाला खेल	खेल की सामग्री के चित्र
.....	

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं चित्र के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'द, ठ, ढ, व, अं, अः' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

8. बाल दिवस

क्ष त्र ज्ञ श्र

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(श्रावणी इसी साल पाठशाला आयी है। वह छठवीं कक्षा में पढ़ती है। रजिता उसकी सहेली है। पाठशाला में बाल दिवस मनाया जा रहा है।)

श्रावणी : रजिता, क्या बात है? आज कोई भी किताबें नहीं लाया?

रजिता : लगता है तुम कल नहीं आयी थी। आज बाल दिवस है।

श्रावणी : यह बाल दिवस क्या है?

रजिता : आज 14 नवंबर है। आज चाचा नेहरू का जन्मदिन है। इसलिए आज के दिन बाल दिवस मनाते हैं।

श्रावणी : सुना है वे बच्चों को बहुत चाहते थे। इसलिए बच्चे उन्हें चाचा कहते थे...

रजिता : हाँ, हाँ, तुमने सही कहा। इसीलिए उनके जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया जाता है।

श्रावणी : इस दिन विद्यालय में क्या-क्या करते हैं?

रजिता : आज सब मिलकर अपनी-अपनी कक्षाएँ सजाते हैं। रंग-बिरंगे कागज़ लगाते हैं। शिक्षक ज्ञान की बातें बताते हैं। छात्र खेलों में भाग लेते हैं, गीत गाते हैं। पुरस्कार पाते हैं।

श्रावणी : अच्छा, मैं भी इन सब में भाग लूँगी।

रजिता : अच्छी बात है। तुम्हें बाल दिवस की शुभकामनाएँ।

श्रावणी : तुम्हें भी.....!

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. विद्यालय में स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, शिक्षक दिवस आदि मनाते हैं। आपको कौन-सा दिवस पसंद है? क्यों?
2. बाल दिवस के दिन आपके विद्यालय में क्या-क्या किया जाता है?

पढ़ो

(अ) 'क्ष' वाले शब्दों पर '◯', 'त्र' वाले शब्दों पर '□', 'ज्ञ' वाले शब्दों '√' और 'श्र' वाले शब्दों पर '( )' लगाइए।

रक्षा	श्रम	ज्ञान	संज्ञा	त्रिकोण	श्रवण
क्षमा	भिक्षा	विज्ञान	आज्ञा	पत्र	श्राप
	यज्ञ	चित्र	ज्ञानी		

(आ) शब्द पढ़िए। वर्ण पढ़िए। इन अक्षरों को वर्णमाला में पहचानकर '◯' लगाइए।

छात्र	कक्षा	ज्ञान	श्रमिक
छा त्र	क क्षा	ज्ञा न	श्र मि क
छ ा त्र	क क्ष ा	ज्ञ ा न	श्र ि म क

(इ) पढ़िए-समझिए।

क् + ष = क्ष त् + र = त्र
ज् + ञ = ज्ञ श् + र = श्र

ऊपर दिये गये वर्ण दो अलग वर्णों के मेल से बने हैं। ऐसे अक्षर 'संयुक्ताक्षर' कहलाते हैं।
जैसेः क्षण, चित्र, यज्ञ, श्रम

पढ़िए-समझिए।

क् + य = क्य ग् + व = ग्व
म् + य = म्य स् + व = स्व

जैसेः क्या, म्यान, ग्वाला, स्वामी

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

SCERT TELANGANA

(ई) नीचे दिए गए शब्द पढ़िए।

कक्षा	पक्षी	यज्ञ	छात्र	पत्र	विज्ञान	ज्ञानी	पुत्र	शत्रु	पक्ष	मित्र	साक्षी

लिखो

(अ) सुंदर अक्षरों में लिखिए।

कक्षा पत्र ज्ञानी श्रमिक नक्षत्र यज्ञ

.....

.....

.....

.....

(आ) बाल दिवस कब मनाते हैं?

.....

उत्तरः.....

(इ) चित्र देखकर वाक्य पूरा कीजिए।

1. छात्र में पढ़ते हैं।

2. ऋषि करता है।

छात्र ..... में पढ़ते हैं।

ऋषि ..... करता है।

(ई) तिरंगे में केसरिया, सफेद और हरा रंग भरिए। इसके बारे में लिखिए।

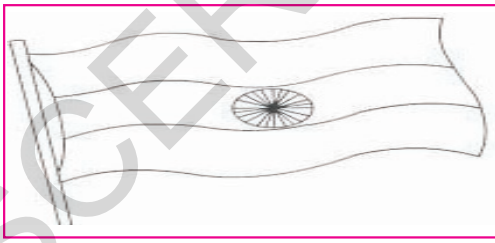

.....

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं चित्र के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं 'क्ष, त्र, ज्ञ, श्र' वर्ण पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

9. खुशियों की दुनिया

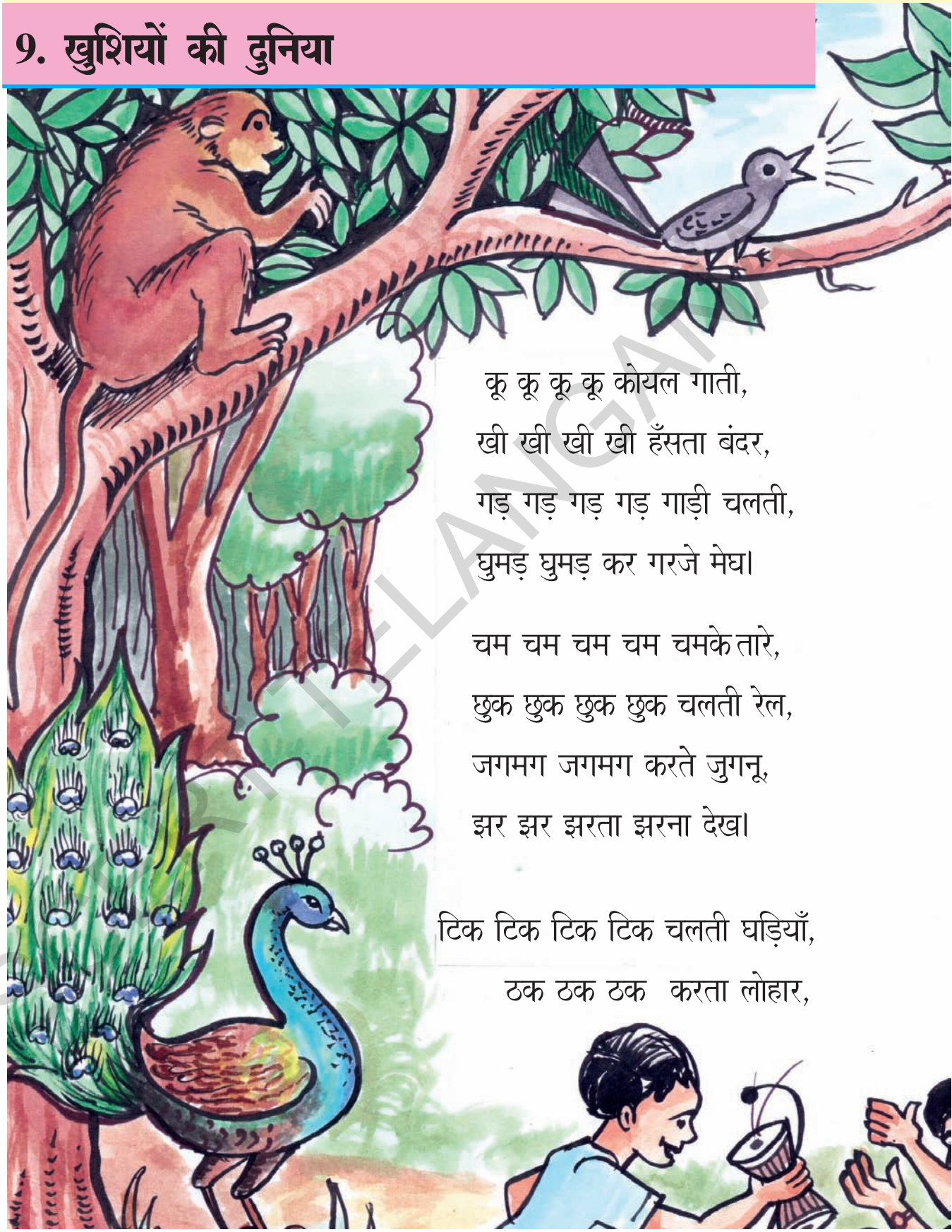

कू कू कू कू कोयल गाती,
खी खी खी खी हँसता बंदर,
गड़ गड़ गड़ गड़ गाड़ी चलती,
घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

चम चम चम चम चमके तारे,
छुक छुक छुक छुक चलती रेल,
जगमग जगमग करते जुगनू,
झर झर झरता झरना देख।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ,
ठक ठक ठक करता लोहार,

© TELANGANA

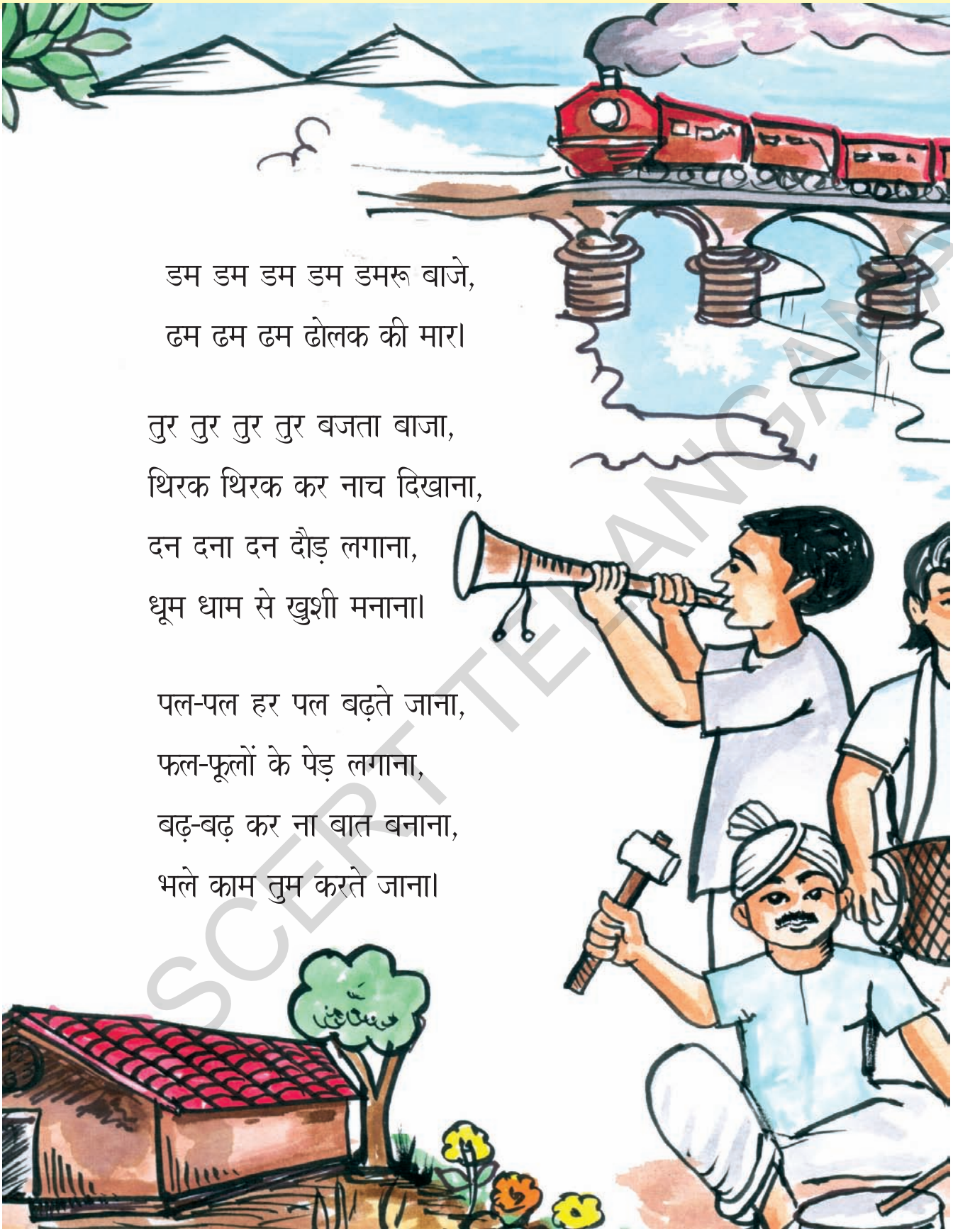

डम डम डम डम डमरू बाजे,
ढम ढम ढम ढोलक की मार।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा,
थिरक थिरक कर नाच दिखाना,
दन दना दन दौड़ लगाना,
धूम धाम से खुशी मनाना।

पल-पल हर पल बढ़ते जाना,
फल-फूलों के पेड़ लगाना,
बढ़-बढ़ कर ना बात बनाना,
भले काम तुम करते जाना।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. कोयल की आवाज़ कैसी होती है?

2. फल-फूलों के पेड़ लगाने से क्या लाभ है?

पढ़ो

(अ) **जोड़ी बनाइए।**

घुमड़ घुमड़ कर गरजे मेघ।

टिक टिक टिक टिक चलती घड़ियाँ।

छुक छुक छुक छुक चलती रेल।

तुर तुर तुर तुर बजता बाजा।

झर झर झरता झरना देख

खी खी खी खी हँसता बंदर

(आ) **पाठ के आधार पर जोड़िए।**

चम चम चम चम	कोयल गाती
डम डम डम डम	बजता बाजा
कू कू कू कू	डमरू बाजे
गड़ गड़ गड़	चमके तारे
तुर तुर तुर	गाड़ी चलती
ठक ठक ठक	करता लोहार

विचार-विमर्श

हम सब में कोई न कोई हुनर, कला या कौशल होता है। हम सब किसी न किसी कला से सशक्त हैं। किसी को पढ़ना-लिखना, किसी को संगीत, किसी को नृत्य-खेल, किसी को पेड़-पौधे लगाना या चित्रकला पसंद होती है। ये सब अलग-अलग तरह की बुद्धिमत्ता हैं।

(इ) **पढ़ो। अंतर समझो।**

गड़ गड़ गड़ गड़ - डम डम डम डम
बढ़ बढ़ बढ़ बढ़ - ढम ढम ढम ढम

(ई) **गाओ। कक्षा में सुनाओ।**

सन-सन-सन-सन चली हवा। फर-फर-फर-फर उड़ी पतंग।

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) **अंकों की बात**

एक दो तीन चार
अच्छा करना तुम व्यवहार
पाँच छह सात आठ
पाओगे तुम सबका प्यार
नौ के बाद दस है
अब गिनती बस है

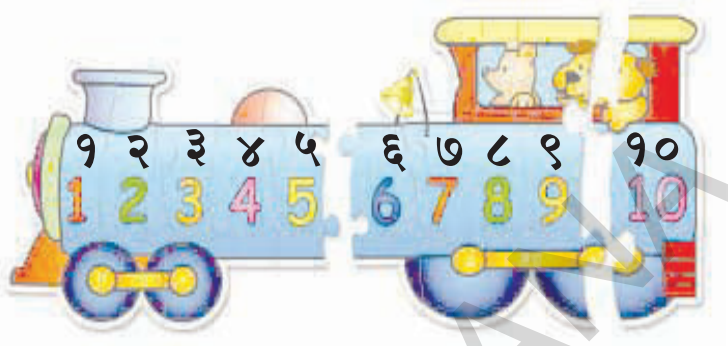

(आ) इस कविता में आपकी मनपसंद पंक्तियाँ कौनसी हैं?

.....

.....

.....

.....

(इ) **घड़ी हमें क्या सिखाती है?**

.....

.....

.....

.....

(ई) **आपको कौन सा पशु या पक्षी पसंद है? उसका चित्र बनाइए।**

नामः.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं अभिनय के साथ बाल गीत गा सकता/सकती हूँ ।		
2. मैं 'अल्पप्राण-महाप्राण' वर्णों से बने शब्द पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

रंग ही रंग

चित्रों में उचित रंग भरिए।

हरा

लाल

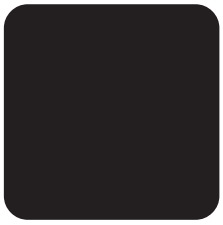

काला

पीला

सूचना : अपने अध्यापक से अन्य रंगों के बारे में पता लगाइए। उन रंगों की वस्तुओं के चित्र दीवार पत्रिका पर चिपकाइए।

SCERT TELANGANA

हिंद देश के निवासी...

- *विनयचंद्र मौद्गल्य*

पढ़ो-आनंद लो

1
हिंद देश के निवासी,
सभी जन एक हैं।
रंग-रूप, वेश-भाषा,
चाहे अनेक हैं।।

2
बेला, गुलाब, जूही,
चंपा चमेली।
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे,
माला में एक हैं।।

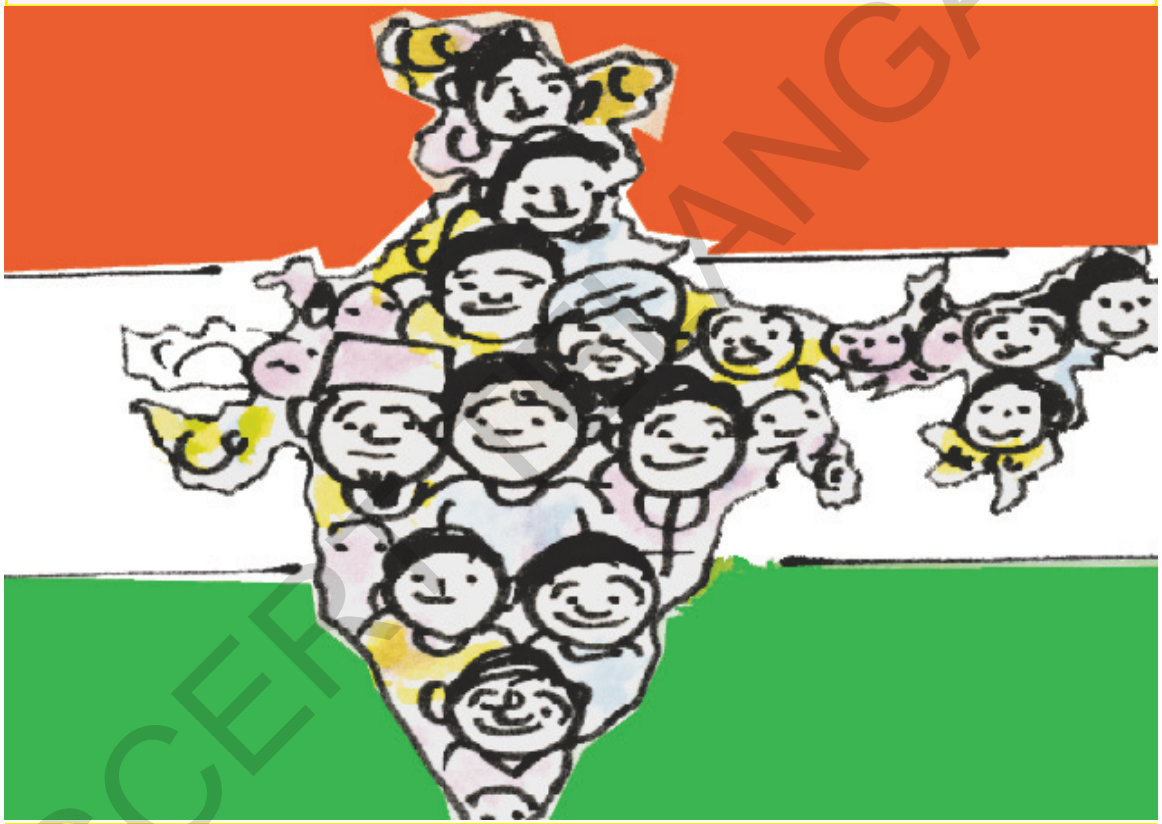

3
कोयल की कूक न्यारी,
पपीहे की टेर प्यारी।
गा रही तराना बुलबुल,
राग मगर एक है।।

4
गंगा, जमुना, ब्रह्मपुत्र,
कृष्णा, कावेरी।
जाकर मिल गयीं सागर में,
हुई सब एक हैं।।

SCERT TELANGANA

10. चुक्की और जब्बार

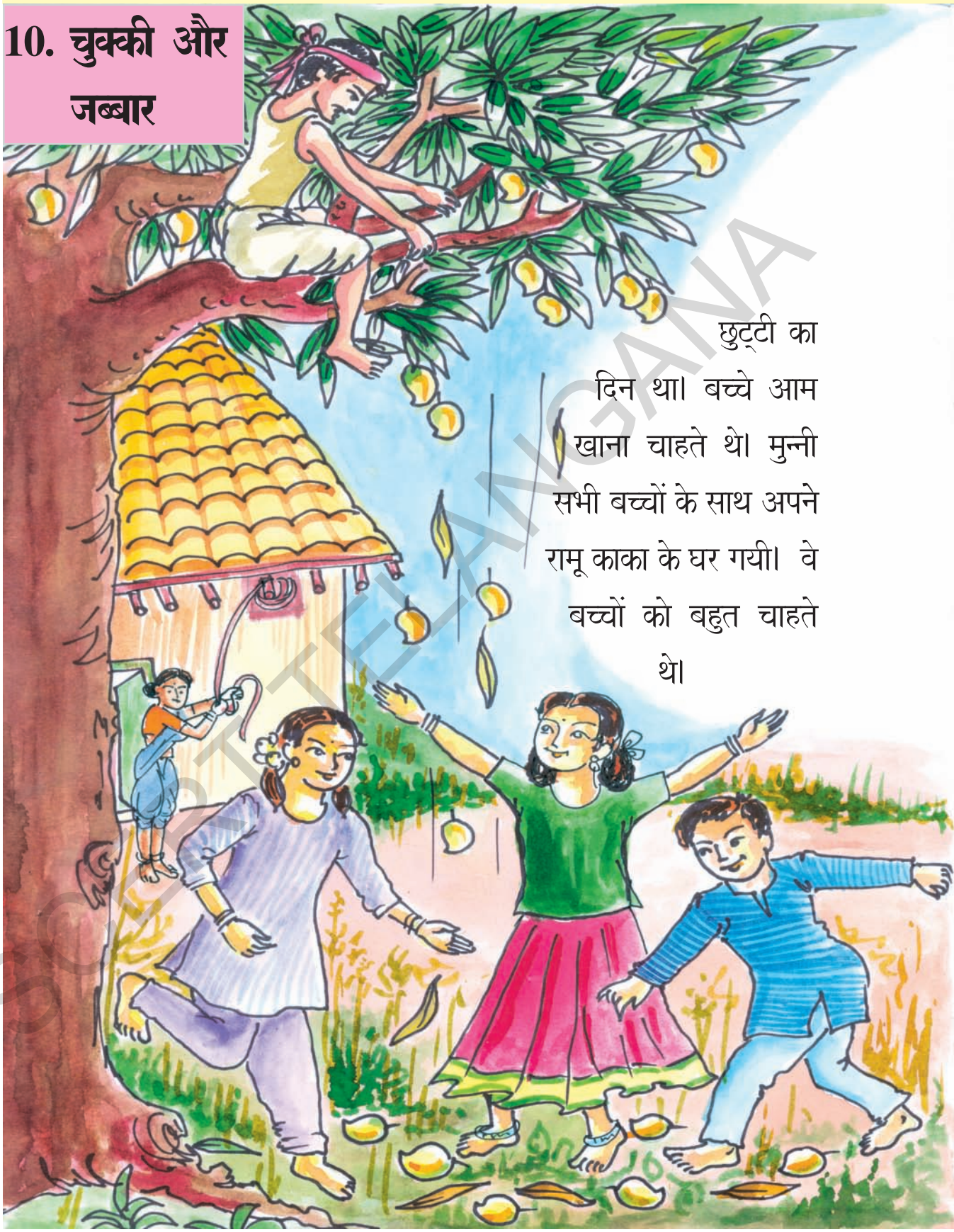

छुट्टी का दिन था। बच्चे आम खाना चाहते थे। मुन्नी सभी बच्चों के साथ अपने रामू काका के घर गयी। वे बच्चों को बहुत चाहते थे।

© SCERT TELANGANA

रामू काका आम के पेड़ पर चढ़ गये। डाली ज़ोर से हिलाने लगे। टप-टप आम गिर पड़े। बच्चे खुशी से चिल्ला उठे - ''वाह! वाह! कितने सारे आम गिरे हैं।''

निम्मी ने छप्पर से रस्सी उतारी। रामू काका ने रस्सी पेड़ की डाली से बाँध दी। बच्चे झूला झूलने लगे। चुक्की झूले से गिर गई और रोने लगी। जब्बार बोला - 'खेल में चोट तो लगती ही रहती है। तुम बहादुर बच्ची हो। दर्द कम हो जाएगा।'

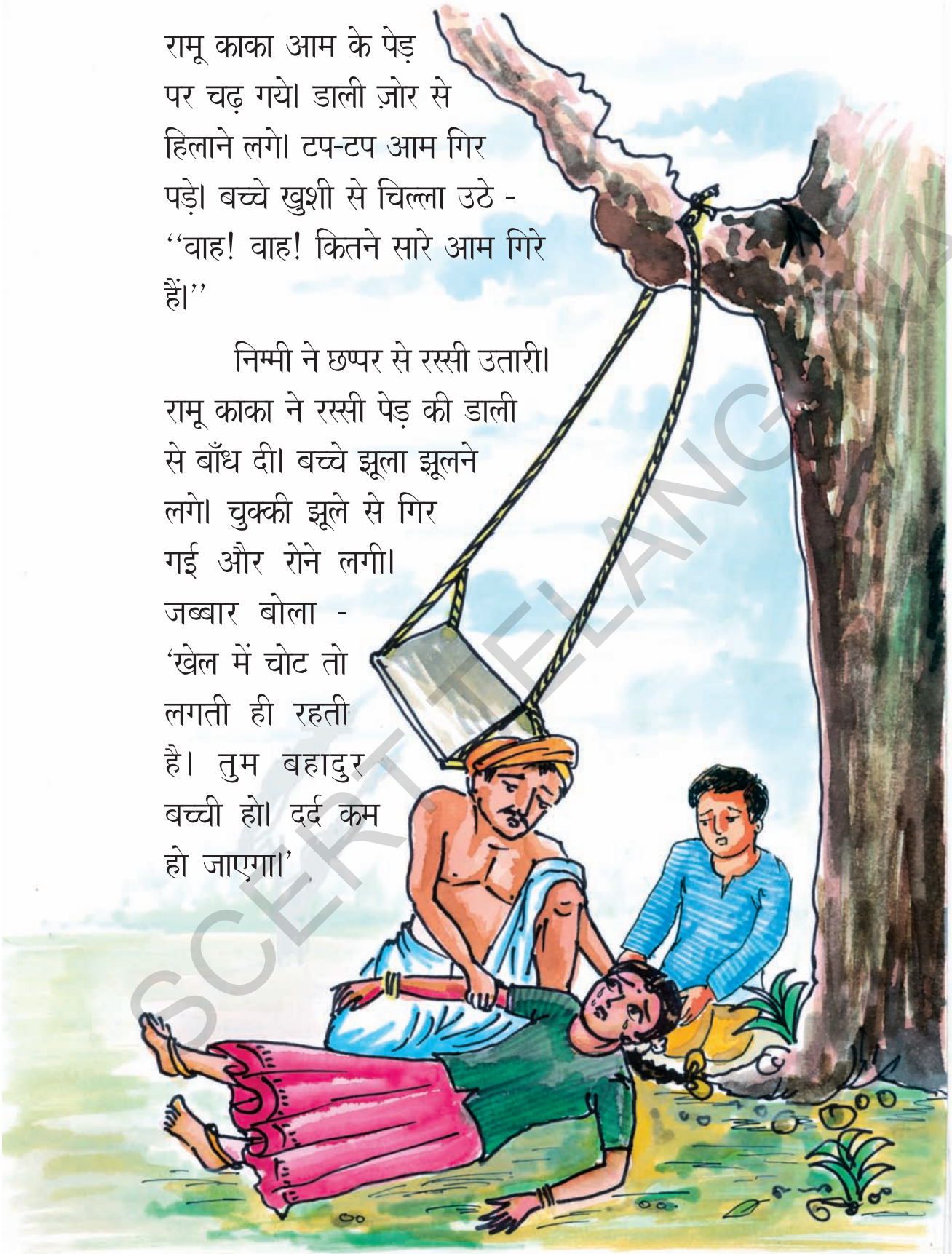

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. छुट्टी के दिन आप क्या-क्या करते हैं?

2. रामू काका ने रस्सी से झूला बाँधा। इसी तरह रस्सी से कौन-कौन से खेल खेल सकते हैं?

पढ़ो

1. बच्चे क्या खाना चाहते थे?
2. झूले से कौन गिर गई?

(अ) **नीचे दिए गए द्वित्वाक्षर पाठ में पहचानिए और उन पर '◯' लगाइए।**

च्च	म्म	ल्ल	य्य	न्न	त्त	स्स	ब्ब	ट्ट	क्क

(आ) **पाठ में आए द्वित्वाक्षर वाले शब्द तालिका में सही जगह लिखिए।**

क्क	
च्च	
ट्ट	
त्त	
द्द	
न्न	
म्म	जैसे :- निम्मी
ब्ब	
प्प	
य्य	
ल्ल	
व्व	
स्स	

विचार-विमर्श

अपना दुःख, दर्द, निराशा, समस्या अपने साथी, दोस्त या माता-पिता या अध्यापक को बतायें ऐसा करने से हमारा दुःख कम हो सकता है और समस्या का समाधान भी मिल जाता है। आप अपना दुःख-दर्द किसे बताते हैं?

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिए गए शब्द पढ़िए।

नुक्कड़	कच्चा	चौकन्ना
सुग्गा	पत्ता	चम्मच
पक्का	छप्पर	रस्सी
गुब्बारा	सज्जन	अड्डा
छत्ता	लट्टू	कव्वाली
गद्दी	यादय्या	उल्लू

जानते हो!
ये सारे शब्द एक जैसे दो वर्णों के मेल से बने हैं। इन्हें द्वित्वाक्षर कहते हैं।

(ई) वाक्य पढ़िए। कक्षा में सुनाइए।

बच्चे दिल के सच्चे। दिल के सच्चे बच्चे। सच्चे दिल के बच्चे।

लिखो

(अ) सुंदर अक्षरों में लिखिए।

कच्चा सुग्गा बच्चा सज्जा रस्सी लट्टू

(आ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

रामू काका ने क्या किया?

.....

जब्बार ने चुक्की को क्या समझाया?

.....

यदि आपको कोई सहायता चाहिए तो आप किसके पास जायेंगे?

.....

SCERT TELANGANA

(इ) नीचे दिए गए वर्ण मिलाकर शब्द बनाइए और लिखिए।

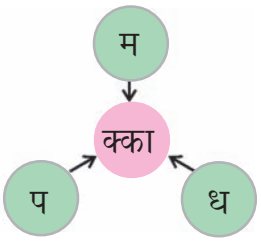

.....
.....
.....

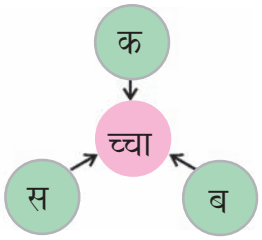

.....
.....
.....

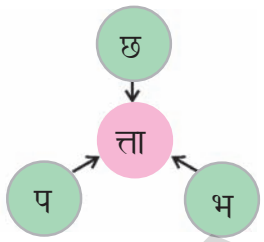

.....
.....
.....

(ई) चित्र देखकर अपने विचार लिखिए।

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं चित्र के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं द्वित्वाक्षर वाले शब्द पढ़ और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इन के आधार पर ऊपर दिये गये वाक्य पढ़ो।

SCERT TELANGANA

11. उद्यान

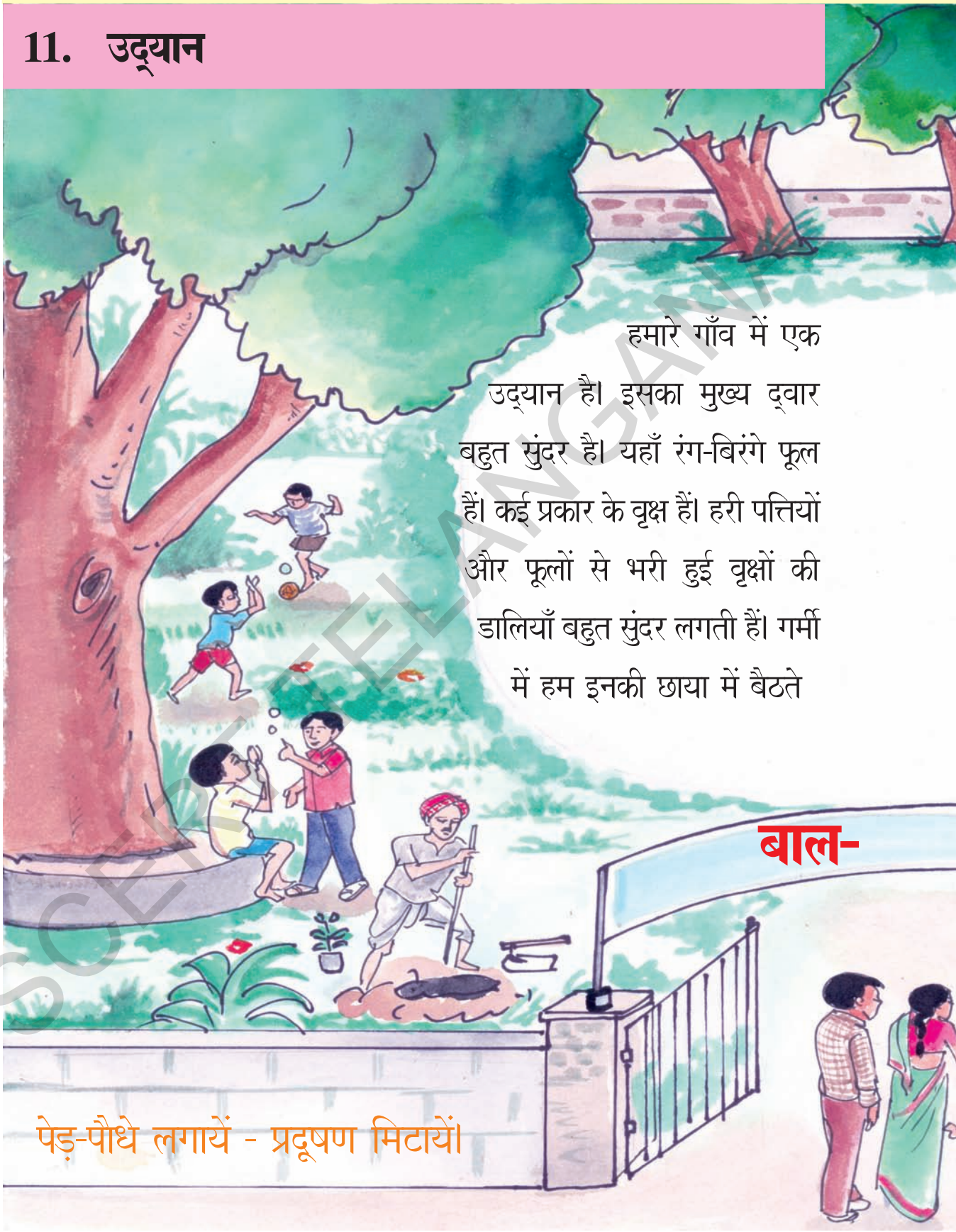

हमारे गाँव में एक उद्यान है। इसका मुख्य द्वार बहुत सुंदर है। यहाँ रंग-बिरंगे फूल हैं। कई प्रकार के वृक्ष हैं। हरी पत्तियों और फूलों से भरी हुई वृक्षों की डालियाँ बहुत सुंदर लगती हैं। गर्मी में हम इनकी छाया में बैठते

बाल-

पेड़-पौधे लगायें - प्रदूषण मिटायें।

SCERT TELANGANA

हैं। माली गड्ढे खोदकर पौधे लगाता है। यहाँ हर दिन पेड़ों पर तोते, मैना और कई पक्षी आकर बैठते हैं। उद्यान के बीच में एक फव्वारा भी है। बच्चे यहाँ बड़े आनंद के साथ खेलते हैं। सच है, ऐसे ही उद्यानों से राष्ट्र की शोभा बढ़ती है।

बगीचा

पेड़-पौधे लगाओ - देश को हरा-भरा बनाओ।

© SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या मिलता है?
2. अपने मनपसंद पेड़ के बारे में बताइए।

पढ़ो

(अ) पढ़िए और समझिए।

क्रम	क् + र + म
गर्म	ग + र् + म
ट्रक	ट् + र + क

र

(आ) शब्दों का उच्चारण कीजिए।

प्रकार	क्रम	ग्राम	विनम्र	चक्र
गर्म	कुर्सी	मिर्च	सूर्य	पर्वत
राष्ट्र	ट्रक	ड्रामा	ट्रेन	इंद्रधनुष

(इ) नीचे दिए गए शब्द पढ़िए और सही शब्द के नीचे रेखा खींचिए।

1.	उधान	उद्यायन	उद्यान	उदयान
2.	गडढा	गढा	गडडा	गड्ढा
3.	द्वार	द्वर	दवार	द्वरा
4.	सुंदर	सुनदर	सुन्दर	सुनदंर

(ई) शब्द पढ़िए। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों पर ‘◯’ लगाओ। द्वित्वाक्षर वाले शब्दों पर ‘□’ लगाइए।

द्वार पत्तियाँ लट्टू राष्ट्र प्यार गुब्बारा गड्ढा बच्चा

SCERT TELANGANA

लिखो

(अ) नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों को सही करके लिखिए।

- <u>उदयान</u> हरा-भरा होता है। .....

- भारत महान <u>राषटर</u> है। .....

- वह हवाई <u>अडडा</u> है। .....

(आ) नीचे दिए गए अक्षरों से बननेवाले संयुक्ताक्षर शब्द लिखिए।

द	ट	प	ड
उदाः उद्यान	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

(इ) अपने बारे में कुछ वाक्य लिखिए।

उत्तरः.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ई) अपनी पाठशाला के बारे में लिखिए।

उत्तरः.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं चित्र के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं संयुक्ताक्षर वाले शब्द पढ़ और लिख सकता हूँ।		
3. मैं इन वर्णों से बने शब्द व वाक्य बिना देखे लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं संकेत के आधार पर चित्र बनाकर उसके बारे में बता सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

12. बच्चे चले क्रिकेट खेलने

बच्चे मैच देख रहे थे। वे बहुत खुश थे। टीम का कप्तान बोला- ''रमेश अब तुम्हारी बैटिंग है, जीत के लिए और दस रन चाहिए। इसलिए समझदारी से खेलना। महेश की बॉलिंग में खेलना मुश्किल है। उसने अब तक चार विकेट लिए हैं।''

रमेश ''हाँ-हाँ'' कहते हुए खड़ा हो गया। ग्लॉव्ज पहना। बैट पकड़ा और क्रीस पर पहुँचा।

श्रीनु, वासु, रवि, अली, जानी सब महेश के पास पहुँचे। सब महेश को कुछ बता रहे थे। महेश ने तेज़ी से बाउंसर गेंद फेंकी। रमेश ने बल्ला घुमाया। और

SCERT TELANGANA

गेंद हवा में। गेंद बॉउंड्री लाइन के पार। सबने तालियाँ बजायीं। रमेश का हौंसला कुछ और बढ़ा। वह अगली गेंद का सामना करने के लिए तैयार था। लेकिन यह क्या...? गेंद रमेश के पैर पर ही आ लगी। महेश ज़ोर से चिल्लाया- ''अम्पायर...!'' अम्पायर ने इशारे से ''ना'' कहा।

महेश ने अगली गेंद डाली। रमेश ने बल्ला भी घुमाया। लेकिन गेंद बल्ले पर नहीं आयी। सीधे विकेट पर गयी और स्टंप्स उखड़ गये। महेश खुशी से उछल पड़ा।

अगला बैट्समैन खुद कप्तान विजय था। वह क्रीस पर पहुँचा। उसने अपनी नज़र आगे-पीछे और दायें-बायें दौड़ायी। बैटिंग करने के लिए तैयार। तभी ज़ोरदार बारिश शुरू हुई। बारिश इतनी हुई, इतनी हुई, इतनी हुई कि.....

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. कहानी में आगे क्या हुआ होगा?
2. विजय रमेश को क्या समझा रहा था?
3. अगर तुम टीम के कप्तान होते तो क्या करते?

पढ़ो

(अ) पढ़िए-बताइए।

1. किसने चार विकेट लिए?
2. किसने चार रन बनाये?
3. रमेश की टीम का कप्तान कौन था?

(आ) इसमें क्रिकेट से संबंधित शब्द कौन-से हैं? पहचानकर '◯' लगाइए।

मैच	बैटिंग	रन	बारिश	बॉलिंग
मुश्किल	ओवर	आउट	कप्तान	ग्लॉव्ज
बैट	क्रीज	बाउंसर	बल्ला	बॉउंड्री-लाइन

(इ) नीचे कुछ खेलों के चित्र दिए गए हैं।

हॉकी

टेनिस

शतरंज

कैरम

कबड्डी

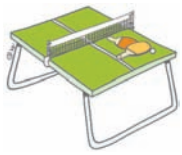

टेबल टेनिस

SCERT TELANGANA

अब बताइए।

बाहर खेलते हैं	अंदर खेलते हैं।
हॉकी	टेबल टेनिस
.....	.....
.....	.....

(ई) **इन्हें भी जानिए।**

बैटिंग	-	बल्लेबाजी
बॉलिंग	-	गेंदबाजी
टीम	-	दल
कैप्टन	-	कप्तान
ग्लौव्ज	-	दस्ताना
फील्डर	-	क्षेत्ररक्षक
नॉट आउट	-	नाबाद

खिलाड़ी के गुण

- *बहादुर*
- *नियम पालन*
- *संवेदनशील*
- *मेहनती*
- *चुस्त*
- *शांत*
- *सतर्क*
- *विनोदी*

लिखो

(अ) खिलाड़ी में क्या-क्या गुण होने चाहिए। आप अपने में किन अच्छे गुणों का विकास करना चाहेंगे? लिखिए।

खिलाड़ी के गुण	मेरे गुण
.....	.....
.....	.....
.....	.....

SCERT TELANGANA

(आ) नीचे दिए संकेतों के आधार पर वाक्य बनाइए।

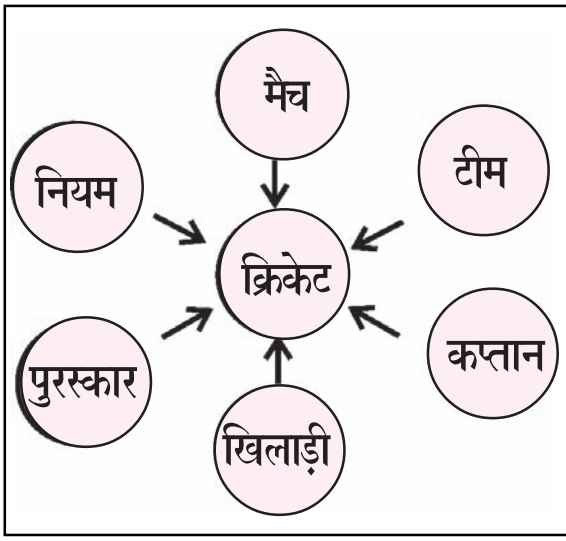

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(इ) गेंद और बल्ला आपस में क्या बातचीत कर रहे हैं? सोचकर लिखिए।

गेंद : बल्ला भैया, कैसे हो?

बल्ला : मैं ठीक हूँ। तुम कैसी हो?.....

गेंद :

बल्ला :

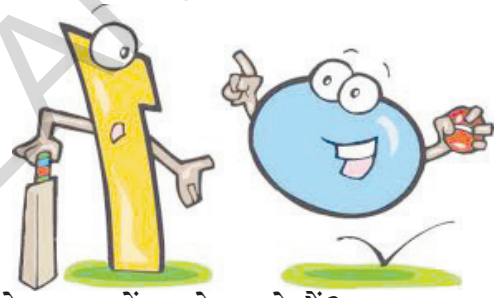

(ई) अपने दोस्त के बारे में लिखिए। उसके कौन-से गुण तुम्हें अच्छे लगते हैं?

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ अपने शब्दों में बता और लिख सकता/सकती हूँ।		
3. मैं अपने निजी अनुभव साथियों को सुना सकता/सकती हूँ।		
4. मैं इससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		

SCERT TELANGANA

परछाइयाँ ही परछाइयाँ

परछाइयाँ देखिए। नाम बताइए।

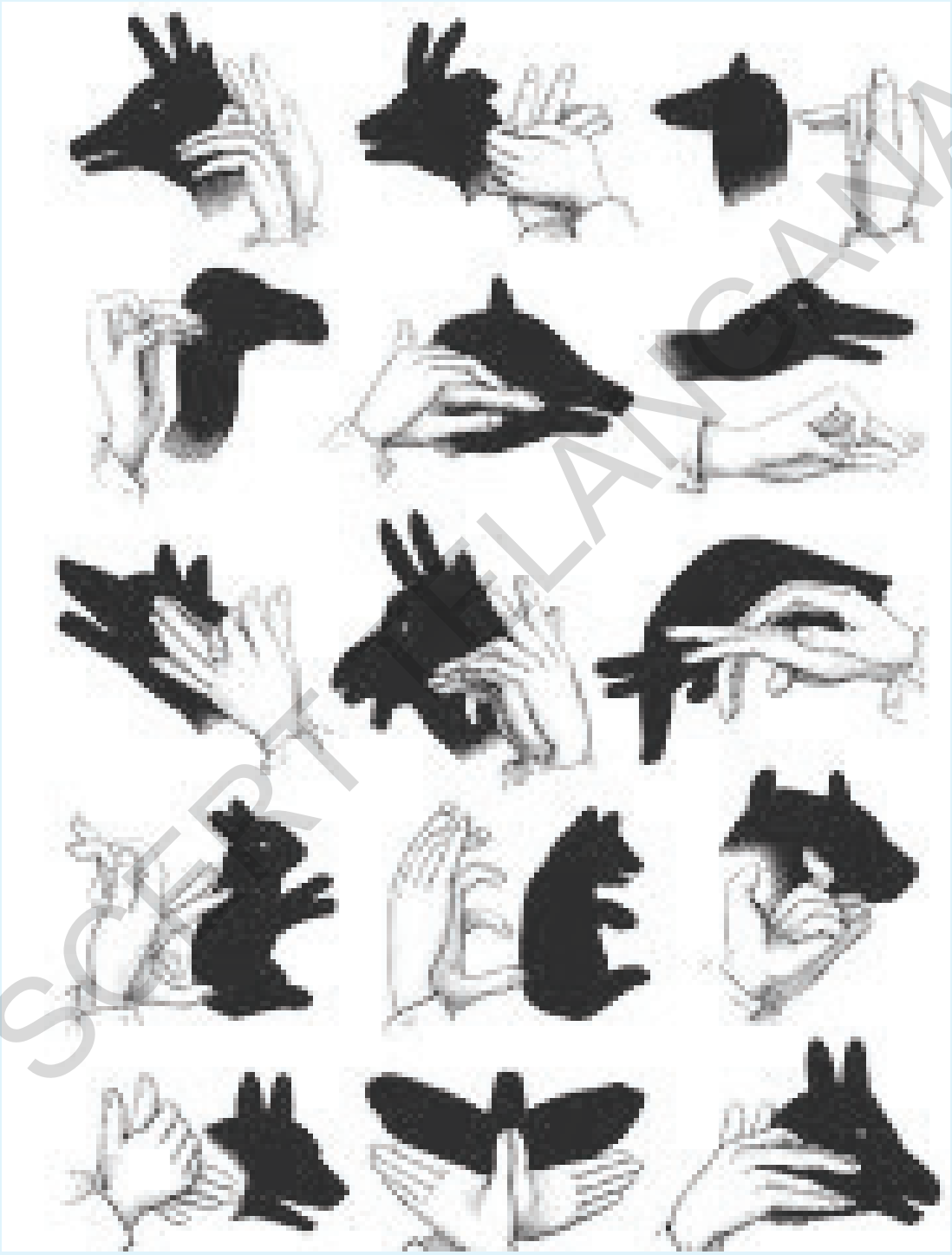

इसी तरह की कुछ और परछाइयाँ बनाइए।

SCERT TELANGANA

किताबें कुछ कहना चाहती हैं...

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं
किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं
किताबों में झरने गुनगुनाते हैं
परियों के किस्से सुनाते हैं।

किताबों में रॉकेट का राज़ है
किताबों में साइंस की आवाज़ है
किताबों का कितना बड़ा संसार है
किताबों में ज्ञान की भरमार है।

क्या तुम इस संसार में
नहीं जाना चाहोगे?
किताबें कुछ कहना चाहती हैं
तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।

-सफ़दर हाशमी

SCERT TELANGANA

शब्दकोश

अंडा	= గుడ్డు, Egg	मुर्गी **अंडा** देती है।
अख़बार	= వార్తా పత్రిక, Newspaper	हर दिन **अख़बार** पढ़ना चाहिए।
अच्छा	= మంచి, Good	रामू **अच्छा** लड़का है।
अध्यापक	= ఉపాధ్యాయుడు, Teacher	**अध्यापक** पढ़ाते हैं।
अनार	= దానిమ్మ పండు, Pomegranate	यह **अनार** का पेड़ है।
आम	= మామిడిపండు, Mango	**आम** फलों का राजा है।
आनंद	= ఆనందం, Happy	खेलने से **आनंद** मिलता है।
आस-पास	= చుట్టుప్రక్కల, Surrounding	पाठशाला के **आस-पास** कई पेड़ हैं।
इमली	= చింతపండు, Tamarind	**इमली** खट्टी होती है।
ईख	= చెరకు, Sugarcane	**ईख** मीठी होती है।
उद्यान	= తోట, Garden	**उद्यान** में तरह-तरह के पेड़-पौधे होते हैं।
उषा	= ఉదయం, Morning	**उषाकाल** में उठना चाहिए।
ऊन	= ఉన్ని, Wool	**ऊन** से स्वेटर बनता है।
ऋतु	= ఋతువు, Season	**ऋतुएँ** छह होती हैं।
ऋषभ	= వృషభం (ఎద్దు), Ox	**ऋषभ** किसान का साथी है।
ऋषि	= ఋషి, Sage	**ऋषि** तपस्या करता है।
एक	= ఒకటి, One	हम सब **एक** हैं।
कई	= ఎన్నో , Many	आकाश में **कई** तारे हैं।
कमीज़	= చొక్కా, Shirt	यह **कमीज़** कीमती है।
किसान	= రైతు, Farmer	**किसान** खेत में काम करता है।
कुत्ता	= కుక్క, Dog	**कुत्ता** भौं-भौं करता है।
कृषक	= రైతు, Farmer	**कृषक** मेहनत करते हैं।
खुश	= సంతోషం, Happy	आज राकेश बहुत **खुश** है।
खेत	= పొలము, Field	**खेत** में अनाज उगाते हैं।
खेल	= ఆట, Games	मैदान में **खेल** खेलते हैं।
गाँव	= ఊరు, Village	हमारा **गाँव** बहुत बड़ा है।
गलती	= తప్పు, Mistake	मुझसे **गलती** हो गयी।
गड्ढा	= గుంట, Pit	रास्ते में **गड्ढे** हैं।
गरमी	= వేసవి కాలం, Summer	**गरमी** के मौसम में आम मिलते हैं।
गाड़ी	= బండి, Vehicle	मेरे पास **गाड़ी** है।
घड़ी	= గడియారం, Watch	**घड़ी** में एक बज रहा है।
घर	= ఇల్లు, House	यह मेरा **घर** है।

SCERT TELANGANA

चमक	= మెరుపు, Bright	आकाश में तारे **चमक** रहे हैं।
चाह	= కోరిక, Wish	मुझे कलेक्टर बनने की **चाह** है।
चिड़िया घर	= జంతు ప్రదర్శనశాల, Zoo	**चिड़िया घर** में सुंदर पशु-पक्षी होते हैं।
चोट	= గాయం, Wound	कभी-कभी खेल में **चोट** लग जाती है।
छतरी	= గొడుగు, Umbrella	मेरे पास एक **छतरी** है।
छप्पर	= సజ్జ, Thatched roof	**छप्पर** पर रस्सी पड़ी है।
छुट्टी	= సెలవు Holiday	रविवार के दिन **छुट्टी** है।
जगमग	= మెరియుట, to shine	जुगनू **जगमग-जगमग** करता है।
ज़मीन	= భూమి, Earth	यह हमारी **ज़मीन** है।
जन्मदिन	= పుట్టినరోజు, Birthday	दो अक्तूबर को गाँधी जी का **जन्मदिन** है।
जानकारी	= సమాచారం, Information	विजया को क्रिकेट की अच्छी **जानकारी** है।
झरना	= జలపాతం, Waterfall	**झरने** का पानी बहुत ठंडा होता है।
झूला	= ఊయల, Cradle	मुझे **झूला** झूलना पसंद है।
टोकरी	= గంప, Basket	**टोकरी** में आम है।
ठंडी	= చల్లని, Cold	बर्फ **ठंडी** होती है।
डंका	= ఢంకా, Drum	**डंका** डम-डम बजता है।
डमरू	= డమరుకం, a leather-covered musical percussion instrument	**डमरू** बजाने पर आवाज़ आती है।
डाली	= కొమ్మ, Branch	**डाली** पर चिड़िया बैठी है।
ढोलक	= చిన్నడోలు, a small drum played on both the ends	यह **ढोलक** है।
तारा	= నక్షత్రం,Star	आकाश में **तारे** हैं।
निवासी	= నివాసి, Resident	हम भारत के **निवासी** हैं।
न्यारी	= అద్భుతమైన, Peculiar	भारत हमारा **न्यारा** देश है।
पकवान	= వంటకాలు, Dishes	माँ **पकवान** बनाती है।
पत्ता	= ఆకు, Leaf	अधिकतर **पत्ते** हरे होते हैं।
परिवार	= కుటుంబం, Family	मेरे **परिवार** में चार सदस्य हैं।
पल	= క్షణం, Second	हर **पल** का महत्व होता है।
पिंजरा	= పంజరం, Cage	**पिंजरे** से पक्षी उड़ गया।
पेड़	= చెట్టు , Tree	यह आम का **पेड़** है।
पौधा	= మొక్క, Plant	यह गुलाब का **पौधा** है।

SCERT TELANGANA

य र ल व श ष ह

फव्वारा	= పైకి ఎగిరే నీటిధార, Fountain	उद्यान में **फव्वारा** है।
फूल	= పువ్వు, Flower	गुलाब का **फूल** सुंदर है।
बंदर	= కోతి, Monkey	पेड़ पर **बंदर** है।
बत्तख	= బాతు, Duck	**बत्तख** पानी में तैर रही है।
बहादुर	= ధైర్యవంతుడు, Brave	चुक्की **बहादुर** लड़की है।
बल्ला	= బ్యాటు, Bat	लड़के के हाथ में **बल्ला** है।
बाजा	= డప్పు, Band	रामू **बाजा** बजा रहा है।
बारिश	= వాన, Rain	तेज **बारिश** हो रही है।
भालू	= ఎలుగుబంటు, Bear	**भालू** जंगल में रहते हैं।
भैया	= అన్నయ్య, Brother	मैं **भैया** को राखी बाँधूंगी।
माली	= తోటమాలి, Gardener	**माली** बगीचे में पौधों को पानी दे रहा है।
मीठा	= తియ్యని, Sweet	गुलाबजामुन **मीठा** होता है।
मुर्गी	= కోడిపెట్ట, Hen	**मुर्गी** अंडे देती है।
मुश्किल	= కష్టం, Difficult	यह काम **मुश्किल** है।
रस्सी	= తాడు, Rope	छप्पर पर **रस्सी** है।
रसोईघर	= వంటగది, Kitchen	रमेश **रसोईघर** में खाना पका रहा है।
लोहार	= కమ్మరి, Blacksmith	**लोहार** लोहे की चीजें बनाता है।
वर्षा	= వర్షం, Rain	**वर्षा** में मोर नाच रहा है।
वेश-भूषा	= వేషధారణ, Costume	भारत में कई तरह की **वेश-भूषा** पहनते हैं।
शुभकामना	= శుభాకాంక్షలు, Good wishes	आप को जन्मदिन की **शुभकामनाएँ**।
शेर	= సింహం, Lion	**शेर** से मुझे डर लगता है।
संग	= వెంట, Along with	बुरे लोगों के **संग** नहीं रहना चाहिए।
सप्ताह	= వారం, Week	**सप्ताह** में सात दिन होते हैं।
सहेली	= స్నేహితురాలు, Friend	सुषमा की **सहेली** रजिता है।
सागर	= సముద్రం, Ocean	नदियाँ जाकर **सागर** में मिलती हैं।
हरा-भरा	= పచ్చపచ్చగా, Greenery	यह बगीचा **हरा-भरा** है।
हल	= నాగలి, Plough	किसान **हल** चलाता है।
हिरण	= జింక, Deer	**हिरण** सुंदर जानवर है।

अध्यापकों के लिए सूचना

यहाँ पर शब्दों के अर्थ व उनके वाक्य प्रयोग दिये गये हैं। अतः बच्चों को अर्थ समझाने के लिए और अधिक वाक्य प्रयोग सिखाइए।

SCERT TELANGANA

अभ्यास तालिका				
क्र. सं.	**पाठ का नाम**	**सुनो-बोलो**	**पढ़ो**	**लिखो**
1.	आम ले लो आम!	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना, जोड़ी बनाना, शब्दों के अंतर पहचानना।	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना, चित्र बनाकर रंग भरना और नाम लिखना।
2.	हमारा गाँव	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना,चित्र देखकर शब्द पढ़ना, शब्दों के अंतर पहचानना।	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना, चित्र बनाकर रंग भरना और नाम लिखना।
3.	रेलवे स्टेशन	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना, जोड़ी बनाना	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, चित्र बनाकर रंग भरना और नाम लिखना।
4.	बाज़ार	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना,	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना, चित्र बनाकर रंग भरना और नाम लिखना।
5.	मेरा परिवार	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना।	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना।
6.	चिड़ियाघर	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना, शब्दों के अंतर पहचानना।	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, पशु-पक्षियों के नाम लिखना।

SCERT TELANGANA

अभ्यास तालिका				
क्र. सं.	**पाठ का नाम**	**सुनो-बोलो**	**पढ़ो**	**लिखो**
7.	मैदान	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना, जोड़ी बनाना, शब्दों के अंतर पहचानना।	मात्रा जोड़कर लिखना, जोड़ी बनाना, रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना, चित्र बनाकर रंग भरना और नाम लिखना।
8.	बाल दिवस	बातचीत के प्रश्न	अलग-अलग चिह्नों से शब्द पहचानना, चित्र देखकर शब्द पढ़ना, शब्द पढ़ना व समझना।	मात्रा जोड़कर लिखना, रिक्त स्थान भरना, चित्र बनाकर रंग भरना। उसके बारे में लिखना।
9.	चुक्की और जब्बार	बातचीत के प्रश्न	प्रश्न-उत्तर, द्वित्वाक्षर शब्द ढूँढ़ना। शब्द पढ़ना।	रिक्त स्थान भरना, अक्षरों व मात्राओं से शब्द बनाना, प्रश्न-उत्तर, चित्र के बारे में लिखना।
10.	खुशियों की दुनिया	बातचीत के प्रश्न	चित्र से संबंधित पंक्ति पहचानना।, जोड़ी बनाना।	अंकों की जानकारी, प्रश्न-उत्तर।
11.	उद्यान	बातचीत के प्रश्न	प्रश्न-उत्तर, संयुक्ताक्षर पहचानना, शब्दों के अंतर पहचानना, सही शब्द के नीचे रेखा खींचना।	वर्तनी सुधारना, संयुक्ताक्षर शब्द लिखना, अपने बारे में लिखना।
12.	बच्चे चले क्रिकेट खेलने	बातचीत के प्रश्न	प्रश्न-उत्तर, शब्दों पर गोला लगाना, शब्दों के अंतर समझना, खेलों को पहचानना, जोड़ी बनाना।	पता करना, संकेतों के आधार पर वाक्य बनाना, वार्तालाप आगे बढ़ाना।

SCERT TELANGANA

सीखने की संप्राप्तियाँ

हिंदी

कक्षा छह

बच्चे....

- विभिन्न प्रकार की ध्वनियों जैसे-बारिश, हवा, रेल, बस आदि को सुनने और किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।
- भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं। जैसे-इन्ना,बिन्ना, तिन्ना।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर-प्रिंट सामग्री (जैसे, चित्र या अन्य ग्राफ़िक्स) में अंतर करते हैं।
- चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।
- देखी, सुनी (अनुभव की) गई बातों, जैसे - स्थानीय सामाजिक घटनाओं, कार्यक्रमों और गतिविधियों पर बेझिझक बात करते हैं, प्रश्न करते हैं और बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाते हैं।
- रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट में देखी/सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं।
- विभिन्न अवसरों/संदर्भों में कही जा रही दूसरों की बातों को अपने ढंग से बताते हैं/लिखते हैं।
- पढ़ी कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों/शब्दों/वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर उनकी पहचान करते हैं।
- अपने से भिन्न भाषा, खान-पान, रहन-सहन संबंधी विविधताओं पर बातचीत करते हैं।
- नए शब्दों के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हैं।
- विविध कलाओं से जुड़ी सामग्री में प्रयुक्त भाषा के प्रति जिज्ञासा व्यक्त करते हुए उसकी सराहना करते हैं।
- संदर्भ की मदद से आस-पास मौजूद प्रिंट के अर्थ और उद्देश्य का अनुमान लगाते हैं, जैसे- टॉफी के कवर पर लिखे नाम को 'टॉफी' या 'चॉकलेट' बताना।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं, जैसे- 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है?/इसमें नाम कहाँ लिखा हुआ है?/'नाम' में 'म' पर अँगुली रखो।
- परिचित/अपरीचित लिखित सामग्री (जैसेः- मिड-डे मील का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम) मनपसंद किताब का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं और अर्थ की खोज में विभिन्न प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे- केवल चित्रों या चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना आदि।
- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनियाँ पहचानते हैं।
- लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों,आड़ी-तिरछी रेखाओं (कीरम-काटे) अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इंनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से लिखने का प्रयास करते हैं।

SCERT TELANGANA

व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियम

नियम - 1 (कपड़े पहनने का नियम)

- मैं निजी अंगों (प्राइवेट पार्ट्स) को दूसरों के सामने ढककर रखता/रखती हूँ।
- हम अपने मुँह को नहीं ढकते। हालांकि यह भी बहुत निजी होता है।

नियम - 2 (छूने का नियम)

- मैं दूसरों के सामने अपने निजी अंगों को नहीं छूता/छूती हूँ।

नियम - 3 (बात करने के नियम)

- मैं बड़े लोगों से निजी अंगों के बारे में बात करता/करती हूँ। इन अंगों से संबंधित समस्याओं के प्रश्न पूछता/पूछती हूँ। चर्चा करता/करती हूँ। इन नियमों का पालन कर हम सुरक्षित व्यक्ति बन सकते हैं।

नियम तोड़ने वाले

- यदि कोई व्यक्तिगत सुरक्षा के नियमों को तोड़ता है तो उस व्यक्ति से-

1. ''नहीं'' - कह सकते हैं।
2. मौका मिलते ही उससे दूर जा सकते हैं।
3. किसी भरोसेमंद बड़े व्यक्ति से उस असुरक्षित व्यक्ति के बारे में बता कर उसे रोका जाना चाहिए।

- यदि कोई जानबूझकर इन नियमों को तोड़कर हमें तंग करता है तो इसमें हमारी गलती नहीं है।
- शर्मिंदगी और सम्मान हमारे व्यवहार, शब्दों और कार्यों से मिलता है, न कि शारीरिक अंगों से। ऐसे असुरक्षित गलत काम करने वाले लोगों को अपने व्यवहार पर शर्मिंदा होना चाहिए।

SCERT TELANGANA

बाल सुरक्षा कानून

मर्यादा और सुरक्षा भी आपके मौलिक अधिकार हैं। नियमों को तोड़ने वाले उस व्यक्ति के बारे में आप किसी भरोसेमंद वयस्क को इस तरह बता सकते हैं-

- वह असुरक्षित ढंग से स्पर्श कर रहा/रही है।
- वह कुछ गलत दिखा रहा/रही है।
- अश्लील बातें कर रहा/रही है।

आप तब तक लोगों को बतायें, जब तक कि कोई आपकी बातें सुनकर नियम तोड़ने वाले व्यक्ति को रोकने के लिए कदम न उठाये।

गलती उस उत्पीड़क असुरक्षित व्यक्ति की है, जिसने जानबूझकर समाज के नियम तोड़े। उसको उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। हमारे कानून में ऐसे लोगों के लिए दंड का प्रावधान है। **POCSO** अधिनियम-**2012** के तहत सभी वयस्क व्यक्तियों को बच्चे के उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज करानी चाहिए, ताकि पुलिस उत्पीड़कों के खिलाफ कार्रवाई कर सके।

आरोपी को तब तक दोषी माना जाता है जब तक वह अपने आपको निर्दोष साबित नहीं करता/करती है। अधिकांश लोग बच्चों की देखभाल करते हैं और स्वयं वे दूसरों के साथ व्यक्तिगत शारीरिक सुरक्षा नियमों का पालन करते हैं। ऐसे भरोसेमंद ही सुरक्षित व्यक्ति हैं।

मेरे भरोसेमंद व्यक्तियों के नामः.....

.....

कोई भी बच्चा **CHILDLINE 1098** को फ़ोन करके नियम तोड़ने वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज कर सकता है।

SCERT TELANGANA